सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब ने धर्मसभा में कहा...

महिलाएं निष्क्रिय न रहे, बल्कि प्रगति करती रहें

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। दाऊदी बोहरा समाज के 53वें धर्मगुरु सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन अपने तीन दिवसीय प्रवास पर मंदसौर आए हुए हैं। वे 27 सितंबर को मंदसौर पहुंचे थे। उन्होंने धर्म सभा में पवन चक्की का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रकृति के तत्व हवा का दोहन न केवल सतत विकास के लिए बल्कि संपूर्ण सृष्टि की भलाई के लिए भी आवश्यक है।

हिज होलिनेस ने मंदसौर के कपड़ा बाजार का संदर्भ देकर महिला सशक्तिकरण के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि कपड़े के धागों और समाज में महिलाओं के बीच एक समानता है जो अपने परिवार और समुदाय को जोड़कर रखती है। धर्मसभा में मौजूद समाज की मांहिलाओं से आग्रह करते हुए कहा कि वे निष्क्रिय न रहे बल्कि प्रगति करती रहे और सक्रिय रूप से उत्पादक कार्यों में संलग्न रहें। जो उनके व्यक्तिगत और सामाजिक विकास में योगदान देता है। इसके साथ ही सैयदना साहब ने समाज के लोगों को खेती करने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि समाज में जिन लोगों के पास कृषि योग्य भूमि है, वो खेती भी करें, ताकि आने वाली पीढ़ियां स्थिर और समृद्ध हो सके। उल्लेखनीय है कि दाउद्दी बोहरा समाज के धर्मगुरु सैयदना साहब 27 सितंबर को मंदसौर पहुंचे थे। अपनी तीन दिवसीय यात्रा में उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का नेतृत्व किया। उन्होंने नव पुनर्निर्मित मोहम्मदी मस्जिद का उद्घाटन किया और एक बिजनेस एक्सपो का दौरा किया। उन्होंने समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत की और उनका हालचाल पूछा।

डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 342 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 30 सितम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

कैसे करें आमजन प्रशासन का सहयोग...?

अवैध खनन की शिकायत पर अधिकारी आरोपी को दे देते है इत्तला

शिकायतकर्ता और अवैध खननकर्ता का होता है झगड़ा, खनिज विभाग नहीं करता कार्यवाही..!

मंदसौर, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला मुख्यालय से महज कुछ किलोमीटर दूर स्थित ग्राम गुराड़िया देदा में अवैध उत्खनन की शिकायत करना एक ग्रामीण को भारी पड़ गया। क्योंकि, उसने खनिज इंस्पेक्टर श्रीमती तीनू डावर को मोबाईल पर सूचना देकर अवैध खनन का वीडियो भी भेजा था। उसी समय श्रीमती डावर द्वारा अवैध खननकर्ता को सूचना से अवगत कराते हुए तुरंत काम बंद करने को कहा गया। जिसके बाद अवैध खनन करने वाला कई लोगो को लेकर शिकायतकर्ता के घर पहुंचा और गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी।

मामले में अवैध खनन की शिकायत करने वाले टीकमदास बैरागी ने यशोधर्मन नगर थाने में उपस्थित होकर आवेदन देते हुए आरोपियो सहित खनिज इंस्पेक्टर पर कार्यवाही की मांग की है। हालांकि, आवेदन को जांच के नाम पर रख लिया गया है। टीकमदास ने अपने आवेदन में लिखा है कि गांव के स्कूल मैदान में कमलेश पटेल द्वारा अवैध रूप से खनन किया जा रहा था। जिसकी शिकायत मैंने तीनू डावर मेडम को उनके मोबाईल पर देकर वीडियो भी सेंड किया था। जिसमें स्पष्ट रूप से खनन करना दिखाई दे रहा था। कुछ देर बाद कमलेश पटेल कुछ लोगो को लेकर मेरे घर आया और गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। उसने चेतावनी दी कि आगे से हम पूरा गांव भी खोद दे तो शिकायत मत करना, वरना तेरी लाश भी नहीं मिलेगी। टीकमदास ने पुलिस से मांग की है कि मेरे जानमाल की रक्षा की जाए और अवैध खनन करने वाले और उसे बढ़ावा देने वाले अधिकारियो पर सख्त कार्यवाही की जाए।

नोटिस-नोटिस का खेल खेलने वालों की जान हलक में...

कॉलोनाईजरों के साथ अफसर भी नपेंगे?

सरकार की सख्ती से मंदसौर में भी हड़कंप, देखो आगे होता है क्या ?

भोपाल/मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले भर में नियम विरुद्ध कॉलोनियां काटने के मामले आए दिन सामने आ रहे हैं। जिला मुख्यालय के अलावा अब तहसील मुख्यालयों सहित ग्रामीण क्षेत्रो में भी इस तरह की शिकायतें सामने आती रहती है। शिकायतों के बाद नोटिस-नोटिस का खेल खेलते हुए मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। लेकिन, अब अवैध निर्माण के साथ ही अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई का मूड़ सरकार बना चुकी है। खास बात यह है कि इसमें साथ देने वाले अफसरों पर भी कार्रवाई होगी। सरकार ने इस काम का श्री गणेश भोपाल से शुरु कर दिया है। भोपाल की हुजूर तहसील के रोलुखेड़ी में एक अवैध कॉलोनी पर प्रशासन ने बुलडोजर चलवा दिया। यहां गोकुल ग्रीन नाम से एक अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी। शिकायत के बाद शुक्रवार को हुजूर के एसडीएम विनोद सोनकिया अपनी टीम लेकर मौके पर पहुंच गए। जेसीबी से अवैध कॉलोनी का गेट तोड़ दिया गया। अंदर बनाई गई रोड भी उखाड़ दी। बिल्डर पर प्रकरण कायम कर लिया गया है। अब इस कार्रवाई और सरकार के रुख को देखते हुए मंदसौर जिला मुख्यालय पर भी भू माफियाओं की चिंता बढ़ गई है।

प्रदेश में न केवल अवैध कॉलोनी बनाने वालों पर कार्रवाई की जा रही है बल्कि इसकी अनदेखी करने वाले अफसरों के खिलाफ भी अब राज्य सरकार कड़ा कदम उठाएगी। अवैध कॉलोनी बनाने वाले बिल्डर और अनदेखी करनेवाले अधिकारियों पर शिकंजा कसने के लिए प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने नया ड्राफ्ट बनाया है। इसमें नगरपालिका सीएमओ, नगर निगम कमिश्नर से लेकर कलेक्टर तक पर कार्रवाई का प्रावधान है। अवैध कॉलोनी की शिकायत की जांच या कार्रवाई न करने वाले कलेक्टर अथवा नगर निगम कमिश्नर को जुर्माना भरना पड़ेगा। इतना ही नहीं, ऐसे अधिकारी जैल तक जा सकते हैं। अवैध कॉलोनी के खिलाफ कार्रवाई में सहयोग नहीं करने के दोषी पुलिस अधिकारियों को भी सज़ा भुगतना होगा। ड्राफ्ट को जल्द ही मंजूरी के लिए कैबिनेट के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। इस बीच राजधानी में अवैध निर्माण और कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाया जाने लगा है। जिससे हड़कंप मच गया।

शहर की यह है हालत...

मंदसौर जिले में भी कई जगहों पर नियम विरुद्ध कॉलोनियां काटने की शिकायतें लगातार आ रही है। कई कॉलोनियों में न तो सही ड्रेनेज सिस्टम है और न ही पानी की पर्याप्त व्यवस्था है। ऐसी अधिकांश कॉलोनियों में महज तीन से चार फीट की गली नुमा सड़क हैं। बता दें कि प्रदेश में अभी अवैध कॉलोनी बनाने वालों को न्यूनतम 7 साल की सजा और 50 लाख रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान है।

अफजलपुर में फौजी कर रहे नवरात्रि की तैयारी

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। सीतामऊ विकासखंड के ग्राम अफजलपुर में फौजी इन दिनो नवरात्रि की तैयारी कर रहे है।

जिला मुख्यालय 35 किमी दूर 8 हजार की आबादी वाले ग्राम अफजलपुर की माटी सैनिकों की जननी रही है। वर्ष 1999 से यहां के युवाओं के सेना में भर्ती का सिलसिला शुरु हुआ। हर साल पांच-छह युवा थल सेना, सीआरपीएफ, बीएसएफ में भर्ती होते रहे। गांव के करीब 60 युवा विभिन्न सुरक्षा बलों में काम कर रहे हैं या सेवानिवृत्त हो गए है। इसमें अधिकारी रेंक के युवा भी शामिल है। सभी मां दुर्गा के भक्त हैं और सेना में चयन को मां का आशीर्वाद ही मानते हैं। इसी आस्था से वर्ष 2010 में फौजियों ने पहली बार नवरात्रि में घटस्थापना की थी। नाम भी फौजी गरबा मंडल ही रखा गया। तब से हर साल सभी फौजी नवरात्र में छुट्टी लेकर मां की आराधना करने गांव आते हैं। दुर्गोत्सव का पूरा खर्च भी वे ही उठाते हैं। इस बार भी अवकाश लेकर मां की आराधना करने कई फौजी पहुंचे हैं।

ड्यूटी से छुट्टी लेकर आते है, किसी से नहीं लेते चंदा...

गांव में फौजियों में इस पर्व को लेकर उत्साह ऐसा रहता है कि सभी अपनी-अपनी ड्यूटी से छुट्टी लेकर नवरात्र में गरबा उत्सव मनाने के लिए गांव आते हैं। यहां के युवा देश के अलग-अलग हिस्सें में अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए सेवाएं दे रहे हैं। यहां गरबा मंडल का नाम भी इन्होंने फौजी गरबा मंडल रखा हुआ है। फौजी 9 दिन तक विभिन्न प्रकार के आयोजन रखते हैं। जिसमें भजन संध्या, प्रतिदिन डांडिया खेलना सम्मिलित है।

भूतपूर्व सैनिक कमल सिंह चंद्रावत ने बताया गांव से अब तक 50 से 60 युवा बीएसएफ, आर्मी, सीआरपीएफ, आरपीएफ के विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। जो प्रतिवर्ष नवरात्रि का पर्व मनाने के लिए छुट्टियां लेकर आते हैं। जिन्हें छुट्टियां नहीं मिलती है। वह वहीं से अपना योगदान देते हैं। घटस्थापना के साथ ही नौ दिनों तक गरबा महोत्सव का आयोजन होता है। इसमें गांव के किसी भी व्यक्ति से सहयोग राशि नहीं ली जाती। सिर्फ फौजी ही पूरी व्यवस्था करते हैं।

मंदिर में चोरी करने वाले बदमाश गिरफ्तार

सीतामऊ, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। थाना क्षेत्र के ग्राम दलावदा के चारभुजानाथ मंदिर में चोरी की घटना में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से चोरी का माल भी बरामद कर लिया गया है।

पुलिस ने बताया कि 23 सितंबर को रवींद्र पिता दशरथ भारद्वाज ने रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें उसने बताया कि चारभुजानाथ मंदिर दलावदा से दानपात्र से नगदी तथा चांदी के आभूषण चोरी चोरी कर गए है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। जांच पड़ताल में सामने आया कि ग्राम लदुना के कुछ लोगों द्वारा वारदात को अंजाम दिया गया है। इस पर पुलिस ने अजयदास उर्फ टोनी पिता बाबुदास बैरागी उम्र 26 साल निवासी लदुना तथा बंटी पिता कारुलाल बागरी निवासी ग्राम दलावदा जिला मंदसौर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। जिसमें उन्होंने चोरी की वारदात कबूली। पुलिस ने आरोपियों से दानपात्र की राशि और आभूषण बरामद कर लिए है।

आज से हटेगा नदियों का सीना चीरने पर लगा प्रतिबंध, कल से कलेक्टर को मिलेंगे अधिकार

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में आज 30 सितंबर तक लागू रेत खनन पर प्रतिबंध का आदेश कल अर्थात एक अक्टूबर से निष्प्रभावी हो जाएगा। कलेक्टर इस संबंध में फैसला करेंगे कि उन्हें अपने जिले में रेत खनन पर लगा प्रतिबंध कब से हटाना है। स्टेट माइनिंग कॉर्पोरेशन और खनिज विभाग ने इसके अधिकार कलेक्टरों को दे रखे हैं। इसके चलते मानसून की विदाई के हिसाब से रेत खनन पर लगे प्रतिबंध हटाने का काम अगले हफ्ते से शुरु हो जाएगा।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के निर्देश पर हर साल 15 जून से 30 सितंबर के बीच रेत खनन का काम प्रतिबंधित कर दिया जाता है। खनिज साधन विभाग इसको लेकर हर साल कलेक्टरों को रेत खनन पर प्रतिबंध के आदेश देता है। जिसके आधार पर कलेक्टर कार्रवाई करते हैं। राज्य शासन की ओर से इस साल भी रेत खनन को लेकर केंद्र द्वारा जारी गाइडलाइन के आधार पर रेत खनन रोकने के लिए निर्देशित किया था। इसमें मौसम विज्ञान केंद्र नागपुर की ओर से मध्यप्रदेश में मानसून की अवधि 15 जून से 1 अक्टूबर निर्धारित की गई है।

स्टेट माइनिंग कॉर्पोरेशन के एमडी और खनिज साधन विभाग के डायरेक्टर अनुराग चौधरी का कहना है कि रेत खनन घोषित तौर पर 30 सितंबर के बाद भले ही शुरू करने की बात कही जाती है। लेकिन, कई जिलों में इस तारीख के बाद भी मानसून सक्रिय होता है। कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने जिले में मानसून की विदाई के आधार पर रेत खनन पर लगा प्रतिबंध हटाने के आदेश जारी कर सकते हैं। कई ऐसे जिले हैं जहां 10 अक्टूबर तक मानसून के मूवमेंट बने रहने की संभावना जताई गई है। प्रदेश के 55 में से 44 जिले ऐसे हैं, जहां रेत का खनन व्यापक पैमाने पर... शेष पेज 4 पर

मामला महाराजवाड़ा स्कूल की दिवार गिरी, दो की मौत का...

सजा पुलिस के टीआई और बीट प्रभारी एसआई को, दोनों निलंबित

उज्जैन / मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। उज्जैन में विगत दिवस महाकाल मंदिर जे समीप महाराजवाड़ा की दिवार गिरने के हादसे में 2 लोगो की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। इस मामले में आश्चर्य उस समय हुआ, जब उज्जैन पुलिस कप्तान ने सम्बंधित थाने के टीआई और बीट प्रभारी उप निरीक्षक को निलंबित कर दिया। बता दें की दिवार काफी पुरानी थी। फिर भी दिवार बनाने तथा गिरने में पुलिस का क्या रोल था? यह बात किसी को समझ नहीं आ रही है। लेकिन, उज्जैन पुलिस कप्तान ने इस बात की जानकारी दी की, हमने सम्बंधित टीआई एवं बीट प्रभारी को निलंबित कर दिया गया हैं। यह सुनकर आमजन को आश्चर्य हो रहा हैं की आखिर पुलिस का इस मामले में क्या रोल रहा होगा। पुलिस अगर किसी अतिक्रमण को हटाने की कह भी दें तो नगर निगम के प्रतिनिधि कहां सुनते हैं। इस मामले में पुलिस को पुन: जांच कर उत्तरदाइत्व तय करना चाहिए।

कस्टम ड्यूटी नहीं घटाते तो 85 हजार से ऊपर होते सोने के भाव

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। पीली धातु सोना लगातार महंगा होता जा रहा है। विगत 24 जुलाई को केंद्रीय बजट आने के बाद जहां सोने के भाव में गिरावट आई थी और वह 70 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया था, वहीं अब सोना 77 हजार रुपए प्रति दस ग्राम के भाव को पार कर चुका है। सराफा बाजार के जानकार और निवेशक भी फिलहाल भाव को लेकर चुप है। अभी वह भी अनुमान नहीं लगा पा रहे कि सोना अब किस करवट जाएगा?

केंद्रीय बजट में सरकार ने सोने पर कस्टम ड्यूटी 15 से घटाकर 6 प्रतिशत कर दी थी। जिसके बाद सोने के भाव में 3 हजार रुपए तक की गिरावट देखने को मिली थी। लेकिन, सरकार द्वारा हटाई गइ कस्टम ड्यूटी का ज्यादा फर्क सोने के भाव पर देखने को नहीं मिल रहा है। अगर सरकार ने बजट में कस्टम ड्यूटी नहीं घटाई होती तो सोना कब से ही 80 हजार रुपए के आंकड़े को पार गया होता। अगर पुराने भाव के हिसाब से देखें तो आज सोने का भाव लगभग 84 हजार रुपए से ज्यादा प्रति दस ग्राम होता।

व्यापारियों के अनुसार आगे सोने का भाव और तेज होगा या कम होगा इसका कुछ भी अनुमान नहीं लगाया जा सकता है।जो परिस्थितियां बन रही है उस हिसाब से सोना और महंगा भी हो सकता है तो वहीं धड़ाम से गिर भी सकता है। सरकार द्वारा हटाई गई कस्टम ड्यूटी का असर एक महीने में ही खत्म हो गया। ड्यूटी हटाने के पहले सोने का भाव 73 हजार 500 रुपए के लगभग था। वहीं ड्यूटी हटने के बाद यह रेट 70 हजार के पास चला गया था। लेकिन, अब इंदौर में दोबारा भाव 77 हजार के पार हो गया है।

दो महीने में 7 हजार 225 रुपए महंगा हुआ सोना...

सोना पिछले 2 माह में ही 7 हजार 225 रुपए महंगा हो चुका है। केंद्र सरकार द्वारा कस्टम ड्यूटी घटाने के बाद 25 जुलाई को सोना 70 हजार 300 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर बिका था। वहीं 28 सितंबर को सोने का भाव 77 हजार 525 रुपए प्रति 10 ग्राम है। इस लिहाज से सोना पिछले 2 महीने में 7 हजार 225 रुपए महंगा हो गया है।

एआई को जितना उत्सर्जित करेगा मानव खुद उतना ही मजबूर होगा...

मंदसौर/उज्जैन, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। एआई तकनीक के नतीजे अब मानव पर नजर आने लगे हैं। मनुष्य की दुर्लभ बीमारियों के इलाज में इससे मदद लेने के सफल उदाहरण भी पाए जाने लगे हैं। हवा या छूने से वातावरण में फैलने वाली बीमारियों को रोकने के टीके भी एआई से बनाए जाएंगे। साथ ही यह शिक्षा जगत में भी इतनी प्रगतिशील साबित होने वाली है कि दशकों की अध्ययन प्रक्रिया महीना या साल में ही पूरी हो जाएगी। ऐसे में यह दुविधाएं पैदा होगी कि वर्तमान युग के छात्रों को ऐसी कौन सी शिक्षा किस तरह से दी जाए की जो पांच, दस या पंद्रह साल तक प्रसांगिक रहे। कई देशों ने इसके शोध के समय भी यह प्रश्न उठाया था कि एआई की खोज इसको बनाने वाले मनुष्यों से अधिक उत्कृष्ट, बुद्धिमान, शक्तिशाली ना बन जाए! अगर ऐसा हो गया तब मनुष्य के रहने की सीमाओं, पानी, प्रकृति पर प्रभुत्व पाने की लड़ाई भी अब एआई तकनीक से लड़ी जाएगी।

जिसके पास एआई की भरपूर तकनीकी ताकत उपलब्ध रहेगी, वह सबसे शक्तिशाली प्रभुत्व धारक हो ही जाएगा। इसी कारण दुनिया के शक्ति संपन्न राष्ट्र प्रमुख अपना सब कुछ इस तकनीक को पाने में लगा रहे हैं। अमेरिका, चीन, फ्रांस, ताइवान की इसमें रुचि सभी को पहले से नजर आ रही है। अभी तक एआई तकनीक की जितनी भी उपलब्धियां सतह पर मानव द्वारा उपयोग में लाई जाने लगी है। इसी प्रगति ने यह सोचने को मजबूर कर दिया है कि कहीं यह तकनीक मनुष्य की सोच से अधिक क्षमतावान और मनुष्य की तरह सोचने वाली संवेदनाएं अर्जित ना कर ले! अगर ऐसा हो जाएगा, तब क्या यह तकनीक मनुष्य के संचालन में रहने की बजाय मनुष्य की बुद्धी पर कब्जा कर उसका संचालन ही अपने कब्जे में न ले लेगी? इस विषय के जानकारों का मत है कि ऐसा हो सकता है।

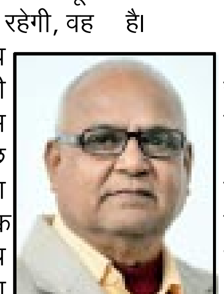

चन्द्रमोहन भगत

एआई के सृजन के समय ही उसकी उत्पत्ति में लगे दुनिया भर के शोधकर्ताओं में से कई राष्ट्रों के विद्वानों ने इसके निर्माण पर रोक लगाने की सिफारिश भी की थी। पर, जितने भी शक्ति संपन्न राष्ट्र हैं वे और अधिक शक्तिशाली राष्ट्र बनने के साथ एआई के सहारे दुनिया भर पर अपना प्रभुत्व भी जमाने के लिए एआई की उत्पत्ति के पैरोकार बने रहे, ऐसे लोगों का खरबों डॉलर इसमें लगाया हुआ है।

इसलिए एआई तकनीक पर काम चलता रहा, प्रगति होती रही और छोटे-मोटे नतीजे भी उन्हें और चिकित्सा जगत को उत्साहित करने लगे। दूसरी तरफ एआई की असीमित शक्तियों को अंदाज लगाकर ही उसके बनाने वाले मनुष्य का एक वर्ग अभी से समझने इसके लाभ और नुकसान समझने लगा है। दुनिया के धनाढ्य देश और उद्योगपति ही इस पर पैसा लगा रहे हैं जाहिर है जब एआई पर इनका अधिकार होगा तो खेल, युद्ध, उद्योग, व्यवसाय सभी स्पर्धा में यही लोग अव्वल रहना चाहेंगे। ऐसे में स्वत: ही बड़े एआई धारक राष्ट्रों और छोटे राष्ट्रों में मतभेद उपजेंगे, आपस में फासले भी बढ़ेंगे ही। इसीलिए इस बात पर जोर दिया जा रहा है की एआई का उपयोग किस हद तक किया जाए तथा इसको उपयोग करने के नियम बनाए जाएं। यह भी कि एक सीमा के बाद इसकी शक्ति बढ़ाने पर लगाम भी लगाई जाए।

आम लोगों को इस बात का डर सता रहा है कि कहीं सरकारें एआई का उपयोग कर अपने विरोधियों और नागरिकों के खिलाफ कोई ऐसा कदम ना उठा ले, जैसा दूसरे विश्व युद्ध के समय एटम बम का उपयोग किया था। इन सब से अलग यह भी हो सकता है कि एआई जब मनुष्य की तरह सोचने लायक क्षमतावान है तो कभी भी मानव जगत के खिलाफ एआई तकनीक भी जंग छेड़ सकती है, मानव को कमजोर कर सकती है। यहां तक की अपने कंट्रोल में कर सकती है। जैसे की मानव का कंट्रोल सहने, आदेश मानने से इनकार कर मानव पर खुद नियंत्रण कर गुलाम बना लेना! तब सिर्फ एआई तकनीक के आदेश मानना मजबूरी हो जाएगा। अगर समय रहते इसके उपयोग के नियमों के साथ सर्वसम्मति ना बनी तो? मानव अत्याधुनिक एआई के भरोसे दुनिया पर प्रभुत्व जमाने की बजाय एआई के नियंत्रण में रहकर दुनिया पर उसका कब्जा होते देखेगा... बस इंतजार करिए ए आई की नई शक्तियों के ईजाद होकर सार्वजनिक होने का..!

किसी शायर की एक लाइन एआई से मुखातिब है की

'आंखें मूंद लेने से ये खतरा न जाएगा

वह भी देखना पड़ेगा जो देखा ना जाएगा।'

विचार-मंथन

चीन नहीं रखता अपनी गरिमा का ख्याल

पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत और चीन के रिश्ते में निरंतर उतार-चढ़ाव एक जगजाहिर हकीकत है। भारत ने अपनी ओर से किसी भी समस्या के हल के लिए हमेशा सकारात्मक रुख दिखाया, मगर भारत के कदमों पर चीन की प्रतिक्रिया उत्साहजनक नहीं रही। आमतौर पर चीन ने अपनी ताकत और धौंस दिखाई है। हालांकि भारत ने हर स्थिति में संयमित प्रतिक्रिया दी और सिर्फ इस वजह से दक्षिण एशिया का यह समूचा क्षेत्र फिलहाल शांत दिखता है। मगर इसका मतलब यह नहीं है कि भारत के पास असीमित संयम है। समस्याओं का हल निकालने के चीन के आश्वासन के प्रति भारत के लिए पूरी तरह निश्चिंत होना मुश्किल रहा है। हालांकि संबंधों में सुधार को लेकर भारत ने हमेशा ही उत्सुकता दिखाई है, लेकिन कई बार हकीकत को लंबे समय तक नजरअंदाज करना संभव नहीं हो पाता है। शायद यही वजह है कि भारत के विदेश मंत्री ने न्यूयार्क में हुए एक कार्यक्रम में स्पष्ट तौर पर कहा कि मौजूदा समय में दोनों देशों के बीच संबंध 'काफी बिगड़े हुए' हैं। लंबे समय से संबंधों को संभालने की एकतरफा कोशिश के बाद भारत की ओर से यह एक तरह से हकीकत का बयान है कि इस मामले में पिछले चार-पांच वर्षों में चीन का रवैया क्या रहा है। वह वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य गतिविधियों के जरिए उकसाने का मुद्दा हो या फिर अरुणाचल प्रदेश को लेकर किए गए दावों के जरिए अनुचित दखल का सवाल, चीन ने आए दिन अपनी चालबाजियों के जरिए अपना असली चेहरा दिखाया है। शांति और सहजता कायम रखने का भरोसा देने के कुछ ही दिन बाद उसकी ओर से कोई न कोई ऐसी हरकत की जाती है, जो किसी भी संप्रभु देश की सीमा में नाहक दखल ही है। सवाल है कि अगर भारत अपनी ओर से संयम और धैर्य का परिचय न दे तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कैसे हालात पैदा हो सकते हैं! यह छिपा नहीं है कि चीन अक्सर नाहक ही सीमा पर अनुचित गतिविधियों के जरिए भारत को भड़काने की कोशिश करता रहा है, मगर भारत ने 2020 में गलवान में इसका ठोस जवाब देने के अलावा अब तक अपनी प्रतिक्रिया को नियंत्रित ही रखा है, ताकि हालात और न बिगड़ें। भारत के इस संयम को अगर चीन इसकी कमजोरी के तौर पर देखता है, तो यह उसकी भूल है। विदेश मंत्री ने भी इसे अपने वक्तव्य में रेखांकित किया है कि भारत और चीन के रिश्ते एशिया के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं और न केवल इस महाद्वीप को, बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित करेंगे। साथ ही, अगर दुनिया को बहु-ध्रुवीय होना है, तो एशिया को भी बहु-ध्रुवीय होना होगा। मौजूदा विश्व में कोई भी देश अपने आर्थिक-सामरिक बल के बूते एक-ध्रुवीय भू-राजनीति का केंद्र बनना चाहता है, तो यह उसकी खामखयाली साबित होगी, क्योंकि वक्त के साथ अलग-अलग देशों की बहुस्तरीय क्षमताओं में व्यापक बदलाव हुआ है। विडंबना यह है कि एक शक्तिशाली देश कहे जाने के बावजूद चीन ने कभी इसके मुताबिक गरिमा का प्रदर्शन नहीं किया है। विस्तारवाद की भूख के तहत वह वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जैसी दखलअंदाजी की कोशिश करता रहता है, उसने भारत के साथ सीमा विवाद से लेकर अन्य समस्याओं का हल निकलने के बजाय इसको जटिल ही बनाया है। जरूरत यह है कि वैश्विक स्तर पर बदलती तस्वीर के मद्देनजर चीन विवादों का हल निकाल कर भारत के साथ संबंधों को सहज बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए।

चिकित्सक आंदोलन पर ममता की विरोध की प्रवृति उल्टी पड़ी

योगेन्द्र योगी

संघीय ढांचे के तहत बने कानूनों और अदालतों के आदेशों के प्रति अड़ियल रुख अपनाने वाली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आखिरकार अपने ही लोगों के सामने घुटने टेकने पर मजबूर होना पड़ा। महिला चिकित्सक से बलात्कार और हत्या के बाद चले आंदोलन से ममता के तेवर ढीले पड़ गए। ममता ने कल्पना भी नहीं की होगी पश्चिमी बंगाल में यह आंदोलन सरकार की चूलें हिला देगा। केंद्र सरकार और अदालतों के आदेशों के प्रति तीखे तेवर अपनाने वाली ममता इस्तीफा तक देने को तैयार हो गई। ममता के समझ में आ गया कि राजनीतिक द्वेषवश केंद्र सरकार की उपेक्षा की जा सकती है किन्तु प्रदेश की सत्ता में बने रहने के लिए राज्य के लोगों की नाराजगी सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा सकती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या के मामले में तृणमूल कांग्रेस की सरकार के खिलाफ देश ही नहीं विदेशों में भी आंदोलन हुए। इस घृणित अपराध के विरोध में ममता सरकार की निष्क्रियता के खिलाफ पश्चिमी बंगाल के हर वर्ग ने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया। हड़ताली चिकित्सकों ने मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशकों को हटाया जाना और कोलकाता पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल के पद से हटाने की मांग की। ममता बनर्जी ने कुछ ही दिनों पहले कहा था कि वो पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल को दुर्गा पूजा तक उनके पद पर बनाए रखेंगी। भारी विरोध के बाद आखिरकार गोयल का तबादला करना पड़ा। हड़ताली चिकित्सकों डॉक्टरों का कहना है कि अस्पतालों में उनके सुरक्षा इंतजाम पुख्ता किए जाएं। वे मांग कर रहे हैं कि सरकार यह बताए कि 100 करोड़ रुपये का बजट किस प्रकार अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए खर्च किया जाएगा। उन्होंने अस्पतालों में सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिए %रेफरल सिस्टम% को सुधारने और भर्ती में भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की भी बात कही। जूनियर डॉक्टर मेडिकल कॉलेजों में छात्र संघ चुनाव कराए जाने और संस्थानों की नीतियों में उनका रिप्रेजेंटेशन बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि छात्र संघ चुनाव के माध्यम से उनकी आवाज को प्रमुखता दी जाए ताकि उनकी समस्याओं का समाधान हो सके। पश्चिमी बंगाल में अराजकता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या के बाद अराजकतत्वों ने अस्पताल पर हमला कर दिया। चिकित्सकों, नर्सिंग स्टॉफ और मरीजों को अपनी जान बचाकर भागना पड़ा। असामाजिक तत्वों ने अपराध के घटना स्थल पर तोड़फोड़ की और अपराध के सबूत मिटाने का प्रयास किया। इस मामले में मेडिकल कॉलेज और पुलिस प्रशासन आरोपियों परोक्ष तौर पर आरोपियों के पक्ष में खड़ा नजर आया। दुष्कर्म और हत्या को आत्महत्या का मामला बता कर रफादफा करने का प्रयास किया गया। पुलिस और प्रशासन के पक्षपातपूर्ण रवैये के बाद अदालत के आदेश से मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपा गया। इसके बाद हर तरफ ममता सरकार के खिलाफ विरोध का स्वर बुलंद हुआ। भारी विरोध के बाद ममता को समझ में आ गया कि केंद्र की भाजपा गठबंधन सरकार की खिलाफत करने की तरह इस आंदोलन से नहीं निपटा जा सकता। पश्चिम बंगाल की कम्युनिस्ट सरकार के प्रति विरोध और प्रदर्शन से सत्ता हासिल करने वाली ममता बनर्जी ने इसे अपना हथियार बना लिया। केंद्र सरकार के खिलाफ शायद ही ऐसा कोई मौका हो जब ममता सरकार ने विरोध नहीं किया हो। इसी प्रवृति का परिणाम है कि महिला चिकित्सक की मौत से पनपे आंदोलन को दबाने-कुचलने की कोशिश की गई। राहुल गांधी की ही तरह ममता बनर्जी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हर मामले में विरोध करती रही है। भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा और तीस्ता नदी के जल बंटवारे के मुद्दे पर ममता बनर्जी का आरोप है कि केंद्र की मोदी सरकार ने बांग्लादेश के साथ बातचीत में पश्चिम बंगाल सरकार को शामिल नहीं किया है। ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र भी लिखा। तीन पेज के लेटर में ममता ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार से पूछे बिना इस तरह की एकतरफा बातचीत हमें मंजूर नहीं है। इसी तरह राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत फंड जारी करने की मांग को लेकर राज्य विधानसभा परिसर में धरना दिया गया। टीएमसी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार बंगाल के लोगों को योजनाओं से वंचित कर रही है। केंद्र की मोदी सरकार पर ममता बनर्जी ने निशाना साधते हुए कहा कि आप कहते हैं कि बंगाल को पैसा मत दीजिए, तो फिर हमसे पैसे भी मत लीजिये। उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल में केंद्र ने जीएसटी के लिए बंगाल से 6,80,000 करोड़ रुपये लिये हैं। गौरतलब है कि ममता बनर्जी ने आईपीएस राजीव कुमार के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कहा था कि इस देश में कोई बिग बॉस नहीं है। यहां केवल जनता ही बिग बॉस है। केवल लोकतंत्र ही इस देश का बड़ा मालिक है। यह मेरी जीत नहीं है। यह संविधान की जीत है। यह भारत की जीत है। इसके बावजूद सत्ता के नशे में ममता चिकित्सकों के आंदोलन के मामले में अपना यह बयान भूल गई। सीबीआई ने कोलकाता पुलिस के प्रमुख राजीव कुमार पर सारदा और रोज वैली पोंजी योजनाओं में संभावित अभियुक्त होने का आरोप लगाया था। सीएम ममता बनर्जी ने सीबीआई के विरोध में धरना दिया और वहीं पर कैबिनेट की बैठक की और वहां पुलिस वीरता पुरस्कार भी दिए। उन्होंने अपने धरना को सत्याग्रह बताया। उन्होंने कहा कि वह देश और संविधान को बचाने के लिए धरने पर बैठी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कहा था कि कमिश्नर राजीव कुमार की कोई गिरफ्तारी नहीं होगी और न ही उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। अदालत के गुणगान करने वाली मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रतिकूल फैसला आने पर अदालतों के विरोध में भी पीछे नहीं रही। ममता बनर्जी ने 2016 की शिक्षक भर्ती परीक्षा के माध्यम से की गई सभी नियुक्तियों को रद्द करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को अवैध माना। उत्तर बंगाल के रायगंज में एक चुनावी रैली के दौरान ममता ने कहा था कि भारतीय जनता पार्टी के नेता न्यायपालिका और निर्णयों के एक हिस्से को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी भर्तियों को रद्द करने का न्यायालय का फैसला अवैध है।

फैशन की नई लहर में किराए पर कपड़े लेने का बढ़ता चलन

प्रभात कुमार

दुनिया के कई देशों में ऐसी दुकानें खुल रही हैं, जहां कई तरह के कपड़े आदि किराए पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कोट, सोने के कपड़े, तैरने की पोशाक, बच्चों और बड़ों के लिए जूते वगैरह। सवाल है कि आखिर वे कौन लोग हैं, जो पहनने के इन कपड़ों को खरीदने के बजाय इन्हें कुछ दिनों के लिए किराए पर ले रहे हैं। जाहिर है, इसमें कपड़े की जरूरत की अवधि के पैमाने के समांतर कमजोर होती आर्थिक परिस्थितियों की भूमिका भी होगी। कह सकते हैं कि हमारे समाज की परंपराएं वहां नए अंदाज में लौट रही हैं। हमारे यहां पुराने कपड़ों में से नए छोटे बच्चों के लिए सिल लिए जाते थे। बड़े हो चुके बच्चों के कपड़े छोटे बच्चे, भाई बहन पहनते थे। पिता के कपड़े पुत्र और माताओं की साड़ियां, सूट, स्वेटर, कोट आदि बेटियां पहन लेती थीं। संभवत अब भी अनेक पिता अपनी कद-काठी के पुत्र के वस्त्र पहनने के लिए तैयार हो जाएंगे, लेकिन शायद पुत्र ऐसा न कर पाएं। विकसित होती या फिर बदलती आर्थिक स्थितियों ने भी इस स्थिति को काफी बदला है। मगर जब पुराने होते जा रहे इंसानों की परवाह कम होती गई है तो पुराने कपड़ों की संभाल कैसे रहेगी! दिलचस्प यह है कि वहां एक साल के बच्चे के ज्यादातर कपड़े किराए पर लिए जा रहे हैं। बच्चे बड़े होते रहते हैं और कपड़े महंगे। महंगे कपड़े किराए पर लेना उचित समझते हुए खरीदने से बेहतर मान लें तो हमारे यहां भी ऐसा शुरू हो सकता है। हमारा देश और समाज वैसे भी ज्यादा दिखावे वाला, फैशनपरस्त होता जा रहा है। अब तो नए कपड़े खूब खरीदने का रुझान जिंदगी का जरूरी हिस्सा हो गया है। यह बात दीगर है कि उनमें से काफी पोशाकें तो आपस में उलझी, परेशान पड़ी रहती हैं। इस बीच और नए कपड़े खरीद लिए जाते हैं। कुछ वस्त्रालय पुराने कपड़े लेकर नए कपड़ों में छूट का कूपन देते हैं, जिसका नियमित ग्राहक फायदा उठाते हैं, लेकिन वस्त्र बढ़ते जाते हैं। विवाह में कम न होते दिखावे ने लहंगों के इस्तेमाल और खरीदारी में खूब बढ़ोतरी की है। कपड़े की दुकान में लहंगा मिलना आज जरूरी हो गया है। अनेक दुल्हनें भारी लहंगे का बोझ पहनकर कुछ देर बाद थक जाती हैं, लेकिन विवाह के पारिवारिक, पवित्र, पारंपरिक, सांस्कृतिक, सामाजिक बंधन में मनपसंद लहंगा पहन कर ही प्रवेश करती हैं। हल्के से लेकर भारी वजन का लहंगा उपलब्ध कराया जा रहा है। अगर दुल्हन पतली, कमजोर हो तो लहंगे के साथ 'गैलस' भी दिए जा रहे हैं। शादी के बाद परिवारों में आपसी परेशानियां, पारिवारिक परिस्थितियां, नापसंद लहंगा बनकर आती हैं। धीरे-धीरे पुरानी हो रही नववधू अपना वह लहंगा भूल जाती है जो उसने दौड़-भाग करके कई दुकानें देखकर, मोल-भाव करने के बाद महंगा खरीदा होता है। अक्सर बजट कुछ रहता है और खर्च कुछ और। कभी न कभी यह जरूर लगता है कि लहंगे पर बहुत खर्च हो गया। लहंगा किराए पर लेती तो ऐसा न लगता, लेकिन पुराना वस्त्र तो पुराना होता है! इसीलिए ज्यादातर दुल्हनें नया लहंगा पहनना पसंद करती हैं। विवाह में प्रयोग के बाद लहंगे का गाउन वगैरह भी बनाया जा सकता है। फिलहाल पच्चीस हजार कीमत की साड़ी एक दिन के लिए पांच सौ रुपए किराए में मिल जा सकती है। परिवार की महिलाओं, पड़ोसनों और सहेलियों ने तो एक दूसरे की साड़ियां कभी न कभी पहनी ही होती हैं। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग किस्म की साड़ियों का संग्रह बहुत महिलाओं के पास होगा, जिसमें दर्जन या सैकड़ों के हिसाब से चुनिंदा साड़ियां संभालकर रखी गई होंगी। दूल्हे के मनपसंद परिधान, सूट और अचकन वगैरह भी इन्हीं दुकानों पर जेब की क्षमता में किराए पर मिल जाते हैं। नए तो मिलते ही हैं। 'नेकी की दीवार' पर टांगे कपड़े काफी लोगों के काम आए होंगे, लेकिन ऐसा भी देखा गया कि कम प्रयोग किए कपड़े एक जगह रखे रह गए। शायद गलत जगह चुन लेने और खराब प्रबंधन के कारण उन वस्त्रों की दुर्गति हुई। कई संस्थाओं द्वारा पुराने वस्त्र इकट्ठा कर बांटने का अस्थायी सामाजिक सेवा कार्यक्रम रहता है। पहने और बेचे जा सकने वाले पुराने कपड़ों के बदले, स्टील के बर्तन वगैरह देने का सौदा करती हुई महिलाएं शायद अभी भी कई जगह आती होंगी। ऐसे कपड़े सप्ताह के किसी दिन, सड़क किनारे या बाजार की छुट्टी के दिन बिकते देखे गए हैं। हमारे यहां विदेश से दान में मिले कपड़े भी खूब बिकते हैं। बताया जाता है कि इनमें से कुछ की गुणवत्ता बेहतर होती है।

संरक्षित हों तीर्थस्थल की हिन्दू वंशावलियों की पंजिका

हिंदू परिवारों को इस बारे में बहुत कम या न के बराबर जानकारी है। उन्हें पता भी नहीं कि इन स्थानों पर उनके परिवार का इतिहास संग्रहित है। सदियों से बहियों में ये रिकार्ड व्यापारी के खाते की तरह लिखकर रखा जा रहा है। हिंदू तीर्थस्थल धार्मिक मान्यताओं और पूजन अर्चन के लिए विख्यात है। इन सब कार्य को इन स्थलों के ब्राह्मण पंडित कराते हैं। ये ब्राह्मण पंडित पंडा कहे जाते हैं। ये पंडा सदियों से एक कार्य करते और कराते आ रहे हैं। ये पंडा अपने पास आने वाले यजमान (भक्तों) के परिवार का इतिहास अपनी बहियों में संजोते जा रहे हैं। ये काम सदियों से अनवरत रूप से जारी है। ये हिन्दू वंशावलियों की पंजिकाएं ऐतिहासिक धरोहर हैं। आज इनके संरक्षण की आवश्यकता है। इनके संजोकर रखने की जरूरत है। हिंदू परिवारों को इस बारे में बहुत कम या न के बराबर जानकारी है। उन्हें पता भी नहीं कि इन स्थानों पर उनके परिवार का इतिहास संग्रहित है। सदियों से बहियों में ये रिकार्ड व्यापारी के खाते की तरह लिखकर रखा जा रहा है। अधिकतर भारतीयों व वे परिवार जो विदेश में बस गए उनको आज भी पता नहीं कि इन तीर्थस्थल की पंडो की बहियों में उनके परिवार की वंशावली दर्ज है। हिन्दू परिवारों की पिछली कई पीढ़ियों की विस्तृत वंशावलियां इन पंडा के पास संग्रहित हैं। ये पंडा आने वाले यजमान से उसके परिवार की जानकारी नोट करने के बाद उसके हस्ताक्षर कराकर बही में अपने पास रखते हैं। ये पंडा ये बहियां अपनी आने वाली अपनी पीढ़ी को सौंपते जाते हैं। ये बहियां जिलों व गांवों के आधार पर वर्गीकृत की गयीं है। प्रत्येक जिले की पंजिका का विशिष्ट पंडित होता है। यहाँ तक कि भारत के विभाजन के उपरांत जो जिले व गाँव पाकिस्तान में रह गए व हिन्दू भारत आ गए उनकी भी वंशावलियां यहाँ है। कई स्थितियों में उन हिन्दुओं के वंशज अब सिख हैं, तो कई के मुस्लिम अपितु ईसाई भी हैं। किसी ?किसी की सात वंश या उससे भी ज्यादा की जानकारी पंडों के पास रखी इन वंशावली पंजिकाओं से होना साधारण सी बात है। शताब्दियों पूर्व से हिन्दू पूर्वजों ने हरिद्वार या किसी पावन नगरी की यात्रा की/ तीर्थयात्रा के लिए या/ शव-दाह या स्वजनों के अस्थि व राख का गंगा जल में किया होगा तो वे संबद्ध पंडा के पास गए होंगे। ये पंडा इन आने वालों के रहने खाने तक की व्यवस्था करते हैं। इन पंडाओं ने अपनी पंजिका में वंश-वृक्ष को संयुक्त परिवारों में हुए सभी विवाहों, जन्म व मृत्युओं के विवरण दर्ज किया हुआ है। वर्तमान में धार्मिक स्थल पर जाने वाले भारतीय हक्के-बक्के रह जाते हैं जब वहां के पंडित उनसे उनके अपने वंश-वृक्ष को नवीनीकृत कराने को कहते हैं। आजकल जब संयुक्त हिंदू परिवार का चलन खत्म हो गया है। लोग एकल परिवारों को तरजीह दे रहे हैं, ये पंडित चाहते हैं कि आगंतुक अपने फैले परिवारों के लोगों व अपने पुराने जिलों- गाँवों, दादा-दादी के नाम व परदादा-परदादी और विवाहों, जन्मों और मृत्यु, परिवारों में हुए विवाह आदि की पूरी जानकारी के साथ वहां आएं। आगंतुक परिवार के सदस्य को सभी जानकारी नवीनीकृत करने के उपरांत वंशावली पंजीका को भविष्य के पारिवारिक सदस्यों के लिए व प्रविष्टियों को प्रमाणित करने के लिए हस्ताक्षरित करना होता है। साथ आये मित्रों व अन्य पारिवारिक सदस्यों से भी साक्षी के तौर पर हस्ताक्षर करने की विनती की जा सकती है। इन तीर्थ स्थल के पुरोहितों के पास देश और दुनिया भर के यजमानों का दशकों पुराना लिखित रिकॉर्ड वंशावली के रूप में मौजूद है।

एसडीएम ने जनपद सीईओ को लिखा पत्र, पंचायतों को मृत पशुओं को गड्डा खोदकर गाड़ने के दिये निर्देश

भाजपा नेता एवं पार्षद प्रतिनिधि दिनेश राठौर की मेहनत लाई रंग

मनासा, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। ग्रामीण क्षेत्रो में मवेशीयों की मौत होने पर उन्हे खुले में डाला जाता है। जिन्हे अन्य पशु नोंचते है। और वे खुले में पडे होने से दुर्गंध मारने लग जाते है। इससे कई तरह की बीमारीयां फैलती है। मृत पशुओ को सम्मान के साथ गड्डा खोदकर उन्हे गाडने की मांग को लेकर भाजपा नेता और पार्शद प्रतिनिधी दिनेश राठौर ने प्रशासन को जनसुनवाई में आवेदन देकर मांग की थी। इसको संज्ञान में लेते हुए एसडीएम पवन बारिया ने जनपद सीईओ को पत्र लिखकर जनपद क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतो को मृत पशुओ को गड्डा खोदकर सम्मान के साथ गाडने के निर्देश देने के निर्देश दिए है।

प्रशासन के निर्देश है कि नगरीय और ग्रामीण क्षेत्र में मवेशीयों की मौत होने पर उन्हे खुले में फेंकने की बजाए जमीन में गड्डा खोदकर गाडा जाएं। लेकिन अधिकांश पंचायतो में मृत मवेशीयों को गाडने की बजाए उन्हे खुले में फेंका जा रहा है। इसको लेकर भाजपा नेता राठौर ने 29 अगस्त को एसडीएम पवन बारिया को आवेदन दिया उसके बाद फिर 24 सितंबर मंगलवार को जनसुनवाई में आवेदन दिया। जिसको गंभीरता से लेते हुए एसडीएम बारिया ने जनपद सीईओ किरन आंजना को पत्र लिखा है कि सभी ग्राम पंचायतो को आदेश का पालन करवाने के लिए निर्देश दे कि वे मृत मवेशीयों को खुले में नही फेंके और उन्हे सम्मान के साथ में जमीन में गाडे। एसडीएम द्वारा सीईओ को निर्देश देने को लेकर राठौर ने कहा कि प्रशासन ने इस मामले में गंभीरता दिखाते हुए गायों एंव अन्य मवेशीयों को सम्मान दिया है। इस मामले में एसडीएम पवन बारिया ने कहा कि पहले से ही प्रशासन के निर्देश है कि मृत मवेशीयों को गड्डा खोदकर सम्मान के साथ गाडना है। लेकिन पंचायतो द्वारा खुले में फेंकने सबंधित एक आवेदन मिला था। जिसको लेकर सभी पंचायतो को आदेश का पालन करवाने के लिए जनपद सीईओ को पत्र लिखकर निर्देश दिए है।

कार्यकर्ताओं ने श्रवण किया मन की बात कार्यक्रम

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता अनुसूचित जाति द्वारा मंदसौर नगर में चौधरी कॉलोनी वार्ड क्रमांक 7 बूथ क्रमांक 71 पर आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का मन की बात कार्यक्रम के 114 एपिसोड को मंदसौर संसदीय क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद सुधीर गुप्ता व कार्यकर्ताओं के साथ कार्यालय पर श्रवण किया। प्रधानमंत्री जी के विचारों को सुनकर हम सभी ने नई ऊर्जा और प्रेरणा प्राप्त की। आइए, हम सब मिलकर उनके मार्गदर्शन में अपने समाज और देश के विकास में योगदान दें। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रमा देवी बंशीलाल गुर्जर, सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक मदनलाल राठौर, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य मुकेश काला, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष निर्मला गुप्ता, भाजपा उत्तर मंडल अध्यक्ष अरविंद सारस्वत, अंत्योदय प्रकोष्ठ जिला संयोजक पुलकित पटवा, भाजपा अजा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष व मन की बात कार्यक्रम जिला प्रभारी राम आटेला, युवा मोर्चा जिला महामंत्री बंटी चौहान, शक्ति केन्द्र प्रभारी सोनू सांखला, बूथ अध्यक्ष गौरव प्रजापत, महिला मोर्चा जिला मीडिया प्रभारी विद्या कड़ौतिया, देवेंद्र दुबे, सुनील योगी, मनोज यादव, मुकेश शर्मा, केसरीमल जटिया, महेंद्र सोलंकी, पिंकेश चोरडिया व अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी, सामाजिक, धार्मिक, देवदुर्लभ कार्यकर्ता एवं रहवासी उपस्थित रहे !

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5372

	3	6	9					
2				8				5
			1		6	8		
	2	7	4		1		9	
	1						4	
	4		2		8	7	3	
		2	8		5			
1				3				6
					9	2	8	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5371

7	6	2	3	1	9	4	8	5
9	4	3	5	8	6	7	1	2
5	8	1	7	2	4	6	9	3
6	3	4	9	7	5	1	2	8
1	9	7	8	3	2	5	6	4
2	5	8	4	6	1	3	7	9
3	2	5	1	9	7	8	4	6
8	1	9	6	4	3	2	5	7
4	7	6	2	5	8	9	3	1

वर्ग पहेली 5372

संकेत: बाएं से दाएं
1. भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रथम हिंदी साहित्यकार (8)
7. ताकत सहित, बलवान, ताकतवर (3)
8. आपस में गुथी एवं फैली हुई चीजों का विस्तार (2)
9. विवाह, दो की संख्या, युग्म (2)
11. रिपोर्ट का अपभ्रंश, मिनमिनाहट (3)
12. सिख संप्रदाय के आदि गुरु (3)
13. एक दिवंगत हास्य अभिनेता जिन्होंने (1937 से 1989 के बीच 180 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया) (2)
15. युद्ध, लड़ाई, रण, संग्राम (3)
16. विशाल भूभाग में फैलाव (4)
18. इंद्रधनुष में रंगों की संख्या (2)
19. नतीजा, परिणाम, सुख-दुख का भोग (2)
20. सातवां अंक, सीमा (2)
22. आहुति के रूप में दिया हुआ (2)
23. कार्यालय, ऑफिस (3)

ऊपर से नीचे
1. सुलोचना, सुंदर नेत्रों वाली (4)
2. अनिष्ट का डर या खौफ, भय (2)
3. संख्या सूचक अंक, अदद, संख्या (3)
4. गिरोह का मुखिया (4)
5. पांच उंगलियों सहित हथेली का अगला भाग (2)
6. ख्वाहिशमंद, इच्छा रखने वाला (5)
10. मन के अनुसार, मन के अनुकूल (5)
13. आने-जाने का भाव या क्रिया (5)
14. शिष्टता, नम्रता, यह धर्मेंद्र के साथ हेमामालिनी की पहली फिल्म थी (4)
17. कमल, नीली का अर्द्धचंद्राकार टुकड़ा, कुमुद आदि फूलों की लंबी व खोखली नली या डंडी (2)
18. परस्पर सहाय रहने वाला व्यक्ति, मित्र, सखा (2)
21. महाशय या श्रीमान को अंग्रेजी में यह कहते हैं (2)
20. मित्र का नौवें या अंक, प्रतीक (2)
22. बुनियाद, नींव, जड़ (2)

वर्ग पहेली 5371 का हल

म	ई			मं	छ		आ
ह		म		ह	र		ज
ज	न	क		क	न्ना	म	त
	वा	स	ती			वा	क
ना	र	द		स	म	ध	
जु			अ	त	ल		फु
क	ह	र	वा		मा	मू	ली
ता	र		म		स	ल	

दलितों ने जिनको अपना नेता माना उन्ही ने आरक्षण में वर्गीकरण का विरोध किया–तंवर

मंदसौर में वंचित समाज ने आरक्षण में वर्गीकरण के समर्थन में निकली रैली, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। आरक्षण में जिनका सहयोग चाहते और दलितो के अपने नेता मानते थे लेकिन सबसे पहले उन्होंने ही आरक्षण में वर्गीकरण का विरोध किया। अब वे हमारे साथी नहीं बल्कि आरक्षण में वर्गीकरण के विरोधी है। अब आगे की लडाई वंचित समाज खुद लडेगा। चाहे उसके लिए हजारों साल लगे। हम सब संगठित होकर वंचित समाज के लिए आरक्षण में उप वर्गीकरण के फैसले को लागू करवाकर रहेंगे। और इस लडाई में हम अकेले नहीं है देशभर का वंचित समाज हमारे साथ है। कोई भी अपने आप को अकेला ना समझे। उक्त बात सकल सकल वाल्मीकि समाज के अध्यक्ष राजाराम तंवर ने आरक्षण में वर्गीकरण के समर्थन में आयोजित रैली और ज्ञापन के आयोजन अवसर पर कही।

रविवार को वाल्मीकि समाज और वंचित समाज सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए अनुसुचित जाति जन जाति आरक्षण में वर्गीकरण के फैसले के स्वागत में समर्थन रेली एवं महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री डाक्टर मोहन यादव व राज्यपाल के नाम ज्ञापन का आयोजन किया गया। वाल्मीकी एवं वंचित समाज का कहना है की 01 अगस्त 2024 सर्वोच्च न्यायालय के 6/1 के सम्मानजनक फैसला दिया गया है जो आरक्षण में वर्गीकरण के अन्तर्गत कोटे में से कोटा एवं हम वंचित को 50% देकर वंचित समाज को हिस्सेदारी दी गई। इसके तहत वाल्मीकि एवं वंचित समाज, सामाजिक एवं शेक्षणिक रूप से समाज की मुख्यधारा से जुड सके एवं सरकारी नौकरियों में प्रतिनिधित्व मिले ताकि वाल्मिकी एवं वंचित समाज के बच्चों को डॉक्टर, ईंजीनियर, कलेक्टर, एस.पी. एवं प्रथम श्रेणी अधिकारी आदि बन सके। इस फैसले को लेकर वाल्मीकि एवं वंचित समाज सर्वोच्च न्यायालय को धन्यवाद ज्ञापित करता है। इस हेतु मंदसौर जिले के वाल्मीकी एवं वंचित समाज एकजुट होकर आरक्षण में वर्गीकरण तत्काल लागु हो कि मांग को समर्थन में रविवार को रैली और ज्ञापन का आयोजन किया। रैली की शुरुआत अंबेडकर चोराहा से बाबा साहेब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के

साथ हुई। रैली में वंचित समाज से वाल्मीकि, बरगुंडा, पासी, सिकलीगर, गांछा आदी समाजजन शामिल हुऐ। रैली में वंचित समाज के सैकडों महिला- पुरुष और युवा हाथों में तिरंगा और बाबा साहेब की तस्वीर और सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद लिखी तख्तियां लेकर शामिल रहे। रैली में मंदसौर नगर सहित जिले के मल्हारगढ़, नारायणगढ़, नगरी, दलोदा, पिपलियामंडी, नांदवेल, आकोदडा, संजीत, पहेडा मगरा आदी गांवों व नगरों से लोग सम्मिलित हुऐ। रैली अंबेडकर चोराहा से चलकर नेहरू बस स्टैंड, भारत माता चोराहा होते हुए गांधी चोराहा पहुची। यहां आमसभा का आयोजन हुआ। जिसमें वंचित समाज के प्रतिनिधियों ने मंच से आरक्षण में वर्गीकरण के फैसले का समर्थन किया और इसे जल्द से जल्द लागू करने की मांग की। आमसभा के पश्चात महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और राज्यपाल के नाम तहसीलदार राहुल डावर को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन का वाचन एडवोकेट आनंद तंवर ने किया। इस अवसर पर पासी समाज से दिलीप कैथवास, सिकलीगर समाज से दयाल सिकलीगर, बरगुंडा समाज से प्रभुलाल वर्मा, सकल वाल्मीकि समाज अध्यक्ष राजाराम तंवर, शांतीलाल झांझोट, मुकेश चुनाल, प्रकाश तंवर, संदीप सलोद, पवन दलोर, जीवन तंवर, चेतन गंछेड, जगदीश कोडावत, धानसिंह घावरी, विनोद खैरालिया, आनंद तंवर, सतिश खेरालिया, विनोद छपरी, अर्जुन कोडावत, मंगल कोटियाना, महेंद्र तंवर, भेरुलाल बारवासीया, मनोहर पथरोड़, दिपक दलोर, मुकेश हंस, विजेन्द्र चुनाल, महेश भैरवे, ईश्वरलाल मोर्य संजीत, सुभाष लोट नारायणगढ़, रमेश अठवाल मल्हारगढ़, कांतिलाल बड्गुर्जर नांदवेल, सुरेश टांक गरोडा, पिंटु हंस नगरी, जीवन बंडवाल नगरी, राहुल घावरी दलोदा, जगदीश घावरी दलोदा आदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जगदीश कोड़ावत, सतिश खेरालिया ने किया व अंत में आभार थानसिंह घावरी ने माना।

जातियों के उद्भव के पीछे मूल तत्व स्वभावगत कर्म ही रहा है–पाटीदार

सनातन पर तथ्यपरक विमर्श का आयोजन 'आत्मबोध'

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। जिस प्रकार से कोई माता पिता अपने बेटे या बेटी को, कोई शिक्षक अपने विद्यार्थी को, कोई समाज या कोई सरकार किसी भी व्यक्ति को डॉक्टर, इंजीनियर, न्यायाधीश, वैज्ञानिक, वकील, नेता, पत्रकार, चित्रकार, सैनिक, साहित्यकार, लिपिक, ड्राइवर, हम्माल या चपरासी नहीं बना सकता है। और यह संभव ही नहीं है। यदि वह कुछ बनता है तो अपने स्वभावगत कर्म से, अपनी योग्यता से। और जब वह कुछ बन जाता है तब वही उसकी पहचान बन जाती है जैसे शिक्षक, डॉक्टर, इंजीनियर, अभिभाषक, पुलिस आदि। उक्त विचार वरिष्ठ शिक्षाविद पारसमल पाटीदार ने व्यक्त किए। वे राष्ट्र व सनातन जागरण अभियान के अंतर्गत अनुराग संस्था व ब्रह्म परिषद के संयुक्त आयोजन 'आत्मबोध' में 'जातियों के उद्भव व जातिवाद' विषय पर अपने विचार रख रहे थे। विषय को विस्तार देते हुए श्री पाटीदार ने कहा कि ठीक यही स्थिति मानव जीवन के प्रारंभिक काल में रही। ब्रह्माजी ने इस सृष्टि की रचना का। उस काल में आवश्यकताओं अनुसार मानव अपने अपने स्वभाव, अपनी योग्यता अनुसार कार्य करने लगा। प्रारंभिक तौर पर कार्य द्वन्द्व भागों विभाजित हुआ और फिर धीरे-धीरे इस सृष्टि का विस्तार होता चला गया और इसी अनुपात में मानव की आवश्यकताएं भी बढ़ने लगी तो कार्य का विभाजन भी बढ़ता चला गया और इसी कार्य विभाजन का विभिन्न जातियों के रूप में नामकरण स्वाभाविक रूप से हुआ। जिस प्रकार से आज कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, वकील, डॉक्टर, इंजीनियर, ड्राइवर, चपरासी, नर्स, सफाई कर्मी, हम्माल आदि सभी अपनी-अपनी योग्यतानुसार कार्य करने लगे और उसी पदनाम से जाने जाने लगे ठीक उसी प्रकार से प्राचीन काल में मानव विकास के साथ समाज की आवश्यकताएं भी बढ़ती चली गई और उसी के अनुसार कार्य का अपनी-अपनी योग्यता अनुसार विभाजन भी होता चला गया जो कालांतर में लोहार, सुतार, मिस्त्री आदि के रूप में जाने गए। परिचर्चा में भाग लेते हुए समाजसेवी अनिल श्रोत्रिय ने कहा कि हमारा देश जब स्वतंत्र हुआ तब उस समय की आवश्यकताओं के अनुरूप केंद्रीय सरकार में मंत्रालयों की संख्या कम थी। लेकिन जैसे जैसे जनसंख्या बढ़ती गई और हमारी आवश्यकताएं भी बढ़ती गई। अनिल श्रोत्रिय ने आगे कहा कि यह बड़ी विडम्बना ही है कि अंग्रेज तो पराए थे। देश को जातियों में बांटने में उनका स्वार्थ था लेकिन हमारी राजनीति का खेल देखिए कि कुछ राजनेता अपने तुच्छ राजनैतिक स्वार्थ के लिए देश को जातियों में बांटने का घृणित कार्य कर रहे हैं। ये तो मंत्रालयों के माध्यम से अधिक से अधिक देश सेवा कार्य करने के स्थान पर दमदार, मलाईदार या सूखा मंत्रालय होने का भेद कर मलाईदार मंत्रालय लेने के लिए झगड़ते हैं। वर्तमान में भारत को कमजोर करने, किसी एक जाति को बदनाम कर व उसे विभिन्न जातियों में बांटकर कमजोर करने का अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र चल रहा है। लेकिन अब समय आ गया है कि स्वतंत्रता काल की ही तरह ऐसी सार्थक परिचर्चाओं द्वारा देश में सकारात्मक वातावरण बनाना होगा। क्योंकि देश रहेगा तो जातियां रहेगी। देश का सशक्त होना सबसे महत्वपूर्ण है। परिचर्चा का संचालन अनुराग संस्था व ब्रह्म परिषद के संस्थापक गोपालकृष्ण पंचारिया ने किया।

युवक को पीटा, केस दर्ज

पिपलियामंडी, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। घर के आगे ट्रेक्टर खड़ा करने के विवाद में मारपीट के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया। काचरिया चन्द्रावत निवासी राजेश मालवीय ने पिपलिया चौकी पर शिकायत दर्ज कराई कि मकान निर्माण के कारण रेती का ट्रेक्टर मेरे घर के बाहर खडा था, तो पडोसी मुकेश बलाई ने ट्रेक्टर हटाने की बोला गाली-गलौज की, मैंने गाली देने से मना किया तो मारपीट की, सिर पर लकडी की मारी, जिससे चोंट आई। पुलिस ने मुकेश के खिलाफ केस दर्ज किया।

ट्रक ने मारी कार को टक्कर

पिपलियामंडी, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। ट्रक की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त हो गई, पुलिस ने केस दर्ज किया। मल्हारगढ़ थाने पर बेगमखेडी (कनाडिया, इंदौर) निवासी राजू पिता अनसिंह हरवल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि मैं अपने दोस्तों के साथ कार (एमपी 09 डीएच 0472) से इंदौर से जयपुर जा रहे थे, इस दौरान मल्हारगढ़ जिओ पंप के सामने ट्रक (आरजे 27 जीसी 9903) के ड्राइवर ने टक्कर मार दी, जिससे ट्रक क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर पर केस दर्ज किया।

सदस्यता महा अभियान के द्वितीय चरण को लेकर जिला भाजपा की बैठक आज

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। कल भोपाल में प्रदेश भाजपा द्वारा आयोजित सदस्यता महा अभियान को लेकर संपन्न समीक्षा बैठक में मिले निर्देशानुसार जिला भाजपा मंदसौर की सदस्यता महाअभियान के द्वितीय चरण को लेकर आवश्यक बैठक जिला भाजपा कार्यालय पर भाजपा जिला अध्यक्ष नानालाल अटोलिया के नेतृत्व में दिनांक 30 सितंबर 2024 सोमवार को दोपहर 1:00 बजे रखी गई है। जानकारी देते हुवे भाजपा जिला अध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने बताया कि बैठक में 1 अक्टूबर 2024 से जिले में प्रारंभ हो रहे सदस्यता महा अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत हाल ही में संपन्न हुवे लोकसभा चुनाव में मंदसौर जिले में भाजपा को प्राप्त हुवे मतों के बराबर सदस्यता बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया जाएगा।

योग ऋषि स्वामी रामदेवजी के राष्ट्रीय योग चैलेज स्पर्धा में चयनित...

श्रेष्ठयोगियों में पतंजलि योग गुरु टांक का चयन

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। योग ऋषि स्वामी रामदेवजी द्वारा राष्ट्रीय न्यूज चेनल इंडिया टीवी पर योग को बढ़ावा देने के लिये राष्ट्रीय स्तर पर दिये गये योग चौलेंज 30 सेकेण्ड तक हाथों के बल पर लगाये जाने वाले उत्तीष्ठ पद्मासन योग चौलेंज में 30 सेकेण्ड से अधिक अवधि तक पतंजलि योग संगठन जिला प्रभारी मदसौर के योग गुरु

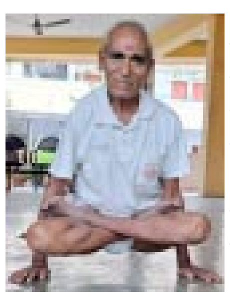

बंशीलाल टांक द्वारा आसन लगाकर वीडिया भेजने पर सम्पूर्ण भारत से सैकड़ों प्रतियोगियों में से चयनित श्रेष्ठ 6 प्रतिभागियों में योग गुरु बंशीलाल टांक का भी चयन होने पर टांक को श्री चौतन्य आश्रम मेनपुरिया के युवाचार्य संत पूज्य मणी महेश चौतन्यजी महाराज, धर्मधाम गीता भवन के अध्यक्ष पूज्य स्वामी रामनिवासजी महाराज, पूज्य स्वामी आनन्दस्वरूपानंदगिरीजी महाराज, पूज्य स्वामी श्री चौतन्यानंदगिरीजी महाराज, पूज्य भागवताचार्य पं. विष्णुजी शर्मा, पूज्य ज्योतिषज्ञ लाड़कुंवर दीदी ने आशीर्वाद दिया है। जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष एवं बालिका गृह अपना घर अध्यक्ष ब्रजेश जोशी, वरिष्ठपत्रकार डॉ. घनश्याम बटवाल, डेस न्यूज चैनल संचालक एवं पूज्य सिंधी भाई पंचायत अध्यक्ष नन्दूभाई आडवानी, चैतन्य आश्रम मेनपुरिया अध्यक्ष प्रहलाद काबरा, सचिव रूपनारायण जोशी, धर्मधाम गीता भवन सचिव पं. अशोक त्रिपाठी, श्री केशव सत्संग भवन अध्यक्ष जगदीश सेठिया, सचिव कारुलाल सोनी, जिला धार्मिक उत्सव समिति संस्थापक-संरक्षक विनय दुबेला, विनोद मेहता, अध्यक्ष सुभाष गुप्ता, संयोजक वरदीचंद कुमावत, सभी सदस्यगण वैश्य महासम्मेलन जिला प्रभारी नरेन्द्र अग्रवाल, विश्व हिन्दू परिषद प्रांत प्रमुख गुरुचरण बग्गा, जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल सोनगरा, समरसता मंच के सूरजमल गर्ग चाचा, आरोग्य भारती प्रांत प्रमुख डॉ. विष्णुसेन कछावा, संरक्षक डॉ. जवाहरसिंह मण्डलोई, अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार, सचिव डॉ. राजेन्द्र बोराना, सुपोषण जिला प्रभारी संजय महाराणा, चाष्टा सेवा संस्थान अध्यक्ष राजेन्द्र चाष्टा, स्वाध्याय मंच अपना घर संस्थापक राव विजयसिंह, विनर क्लब सस्थापक ब्रजेश मारोठिया, अध्यक्ष विजय गेहलोद, महावीर फतेह करें सेवा संस्थान संयोजक मंगल बैरागी, दशपुर जागृति संगठन अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र पौराणिक, संस्थापक सत्येन्द्रसिंह सोम, सामाजिक कार्यकर्ता शंभुसेन राठौर, वाल्मीकि समाज प्रमुख राजाराम तंवर, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मदरसा और छात्र प्रकोष्ठ अजीजुल्लाह खान खालिद, गायत्री परिवार के पवन गुप्ता, आर्य समाज पुरोहित रमेशचन्द्र राव, दयानन्द गुप्ता, भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ जिला संयोजक राजमल सेठिया, श्री पशुपतिनाथ मंदिर प्रबंध समिति प्रबंधक राहुल रूनवाल, सहप्रबंधक ओ.पी. शर्मा, दिनेश बैरागी, दिनेश परमार, लता मंगेशकर शासकीय संगीत महाविद्यालय जनभागीदारी अध्यक्ष नरेन्द्र त्रिवेदी, आयुष शिक्षक, मेडिकल एसोसिएशन अध्यक्ष डॉ. मुकेश कुमावत, महासचिव डॉ. हिमांशु त्रिवेदी, महिला जिला प्रभारी श्रीमती बंटू भूत, अखिल भारतीय हिंदी साहित्य परिषद जिलाध्यक्ष नरेंद्र भावसार, शिक्षाविद रमेश चंद्र चंद्रे, समाजसेवी सुनील बंसल, आशीष बंसल, पूर्व सीएमओ हरिशंकर शर्मा आदि ने बधाई और शुभकामनाएं देकर टांक के उज्वल भविष्य की कामना की है।

उल्लेखनीय है कि, गायत्री परिवार, दशपुर जागृति संगठन व अन्य सामाजिक संगठनों द्वारा शिवना शुद्धि के लिये सर्दी में कड़कड़ाती ठंड व कोहरे के बीच कमर से छाती तक पशुपतिनाथ शिवना घाट पर शिक्षा के बर्फ जैसे ठंडे जल में किये गये जल सत्यागृह में योग गुरु टांक ने लगभग आधे घण्टे तक योग के द्वारा बिना हाथ पैर हिलाये सुप्त पद्मासन लगाया था।

देश के विकास में भगत सिंह जैसी देशभक्ति की आवश्यकता–डा. तोमर

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। देश के महान क्रांतिकारियों के लिए देश का पहला संगठन सैनिकों के सम्मान के लिए समर्पित दशपुर जागृति संगठन द्वारा आजादी के महानायक भगत सिंह का जन्म दिवस बहुत ही धूमधाम सम्मान के साथ नगर पालिका सभागार में मशाल प्रज्वलन क्रांति कथाओं की पूजन के साथ मनाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. उर्मिला तोमर सार्थक एनजीओ की संस्थापक ने कहा कि देश विकास पथ पर आगे बढ़ रहा है और इस विकास के साथ वर्तमान में भगत सिंह का जो सपना था साम्राज्यवाद मुर्दाबाद इंकलाब जिंदाबाद वह देश में आज भी देखने को मिल रहा है कि साम्राज्यवाद बहुत तेजी से बढ़ रहा है। आज देश को विकास के साथ ही भगत सिंह जैसी देशभक्ति की आवश्यकता है। भगत सिंह एक क्रांतिकारी नहीं एक विचारधारा थे। मातृभूमि के लिए मात्र 23 वर्ष में फांसी पर झूलने वाले भगत सिंह को याद करने के लिए आज राजतंत्र के पास समय नहीं है यह एक दुखद घटना है।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व टी आई मध्य प्रदेश पुलिस पेंशन के प्रांतीय अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह परिहार ने कहा देश के अंदर भगत सिंह जैसी क्रांति वापस आने लगी है देश के राजतंत्र में साम्राज्यवाद को बढ़ावा देने वाले कुछ ही लोगों के हाथों में पूंजीवाद होना यह अमीर गरीब की खाई को बढ़ावा दे रहा है यही देश के लिए आने वाले समय में बड़ी क्रांति होगी छोटे-छोटे संगठन देश के अंदर कार्य कर रहे हैं इसी कड़ी में मंदसौर का सौभाग्य है दशपुर जागृति संगठन की विचारधारा मिल का पत्थर साबित होगी। संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष हरिशंकर शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा यह संगठन लगातार राष्ट्रीय जागरण का कार्य कर रहा है संगठन का मूल उद्देश्य क्रांतिकारी की प्रतिमा स्थापना करना नहीं उनकी विचारधारा को स्थापित करना है। संगठन वरिष्ठ कार्यकारिणी के सदस्य राजाराम तंवर, डॉ रविंद्र पांडे, आरसी पांडे, अजीजुल्ला खान खालिद, महेश शर्मा, सीमा चौरडिया, संगठन के सचिव आशीष बंसल, वरिष्ठ अभिभाषक विष्णु दास बैरागी, आशुतोष बैरागी, दिलीप सांखला, वरिष्ठ अध्यापक सुरेश गुप्ता, मुकेश नागर, बीएस सिसोदिया द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन सचिन आशीष बंसल व सत्येंद्र सिंह सोम द्वारा किया गया। आभार आशीष बंसल द्वारा माना गया। यह जानकारी संगठन के सत्येंद्र सिंह सोम द्वारा दी गई।

आयुष्मान कार्ड शिविर 1 से आयोजित होंगे

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस के अवसर पर 1 अक्टूबर 2024 से 5 अक्टूबर 2024 तक समय प्रात: 10:00 बजे से 4:00 तक जिला चिकित्सालय मंदसौर में पांच दिवसीय आयुष्मान कार्ड शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक उम्र वाले सीनियर सिटीजन के नि:शुल्क आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे एवं अन्य पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए जाएंगे इसके लिए समस्त हितग्राहियों को समग्र परिवार आईडी एवं आधार कार्ड लाना आवश्यक है। स्थान इन्दिरा गांधी जिला चिकित्सालय परिसर काउंटर के पास बनाये जाएंगे।

भादवा माता में नवरात्रि मेला तैयारियों का जायजा लिया

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले के सुप्रसिद्ध धार्मिक आस्था के केंद्र ,आरोग्य स्थल महामाया मां भादवा माताजी में 3 अक्टूबर से कार्तिक नवरात्रि पर्व शुरू हो रहा है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भादवामाता जी में नवरात्रि मेला आयोजित किया जा रहा है। इस मेले में लाखों श्रद्धालु माताजी के दर्शन करने आएंगे।

भादवामाता में आयोजित होने वाले नवरात्रि मेले मैं आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर रविवार कों अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड, एसडीएम डॉ ममता खेड़े ने भादवा माता में मेला परिसर ,माताजी के दर्शन करने आने जाने के रूट कों देखा और नव निर्माण कार्यों कां औचक निरीक्षण किया। नवरात्रि के दौरान पार्किंग व्यवस्था , मंदिर में दर्शन के लिए प्रवेश की व्यवस्था आदि आदि विभिन्न प्रकार की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस मौके पर संस्थान के सीईओ डॉ राजेश पाटीदार, मंदिर प्रबंधक श्री अजय एरन, मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य एवं कर्मचारियों तथा श्रद्धालु उपस्थित थे।

उद्योगपति बालाजी मंदिर पर चढ़ाई ध्वजा

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। कहते हैं जब किसी पुनीत कार्य की शुरुआत होती है तो जल्दी ही उस कार्य में लोग जुड़कर कारवाँ आगे बढ़ाने लगते हैं। ऐसा ही एक पुनीत अभियान गणेश चतुर्थी से हिंदूवादी भाजपा युवा नेता गौरव अग्रवाल ने अपने साथियों के साथ मिलकर प्रारंभ किया था। इस अभियान के तहत हर मंगलवार और शनिवार को बालाजी के अलग अलग मंदिरों पर ध्वजा चढ़ाकर सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ करने के बाद बालाजी की आरती की जा रही है। इस अभियान का उद्देश्य धर्म से दूर होती आधुनिक पीढ़ी को सनातन धर्म से जोड़ना, उनके मन में सनातन धर्म के प्रति शुद्ध भावना जाग्रत करना है, साथ ही सनातन धर्म में ध्वजा का बड़ा महत्व है इसलिए मंदिरो की पुरानी हो चुकी ध्वजा को बदलकर नई साफ स्वच्छ ध्वजा चढ़ाना जिससे नई पीढ़ी ध्वजा का महत्व समझें।

इसी क्रम में शनिवार को उद्योगपति बालाजी मंदिर पर ध्वजा का पूजन कर शिखर पर ध्वजा चढाई गई। इसके बाद सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। अंत में बालाजी की सभी ने आरती कर सनातन धर्म को मजबूती प्रदान की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। अच्छे कार्य की शुरुआत के लिए निमित्त कोई भी हो सकता है लेकिन जब समाज उस पुनीत कार्य को स्वीकार कर लेता है तो अपने आप जनसमुदाय जुड़ जाता है। इस पुनीत अभियान को शुरू करने के लिए हिंदूवादी भाजपा युवा नेता गौरव अग्रवाल निमित्त बने लेकिन उनका कहना है की यह अभियान हर सनातनी का है मैंने सिर्फ शुरुआत की है अब इसे आप सबके सहयोग से आगे ले जाना है। अगले मंगलवार को जनता कॉलोनी स्थित मंशापूर्ण हनुमान जी मंदिर पर शाम 6 बजे ध्वजा चढाई जाएगी। सभी सनातन धर्म प्रेमी अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धर्म लाभ लें।

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में श्रमदान हुआ

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। पी.एम. एक्सीलेंस कॉलेज, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता ने बताया कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निर्देशानुसार स्वच्छता ही सेवा है पखवाड़े के अंतर्गत एनएसएस इकाई द्वारा महाविद्यालय के पीजी ब्लॉक परिसर में श्रमदान कर परिसर को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार आर्य एवं प्रो. संजय पंवार के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने 'प्रकृति के दुश्मन तीन पाउच, पन्नी, पॉलिथीन' 'जन-जन को दो यह संदेश, साफ स्वच्छ हो अपना देश' 'स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत' आदि नारों से विद्यार्थियों को अपने आस-पड़ौस को स्वच्छ रखने हेतु प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों ने तीन कट्टे प्लास्टिक, गाजर घास व अन्य कचरे को इकट्ठा कर परिसर को प्लास्टिक मुक्त बनाया और इधर–उधर पड़े पत्थरों को बिनकर और पौधों की क्यारियां बनाकर परिसर को सुंदर बनाया। इस अवसर पर स्वच्छता अभियान में शामिल विद्यार्थियों को माय भारत लोगो प्रिंटेड केप, डायरी, पेन और ग्लब्स भी दिए गए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी एवं एनएसएस इकाई के स्वयंसेवक मौजूद थे।

विश्व सिन्धु सेवा संगम की महिला मण्डल ने किया झूलेलाल धाम एवं प्रेमप्रकाश आश्रम में की पूजा अर्चना

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। विश्व सिन्धु सेवा संगम के तत्वावधान में सिन्धी यत के प्रचार-प्रसार हेतु महिलाओ की एक मण्डली उदयपुर, नाथद्वारा, चित्तौड़गढ़ की यात्रा करके भगवान पशुपतिनाथ की पावन धार्मिक नगरी मंदसौर में श्री झूलेलाल सिन्धु महल श्री प्रेमप्रकाश आश्रम एवं भगवान श्री पशुपतिनाथ के दर्शन एवं अनुष्ठान के लिये 26 व 27 सितम्बर को मंदसौर भ्रमण पर आया। 35 जिसमें दुबई, यूएई, मुम्बई, आगरा, गांधीधाम की माताओं एवं बहनों ने शिरकत की प्रमुख रूप से दीपा भावनानी, किशा साजनानी यूएई एडवाईजर इंटरनेशनल ट्रीजर उषा साजवानी, लता अवतानी एक्टिंग चेयरपर्सन, वर्षा वंजानी आगरा जिला प्रेसीडेंट, मीना सोनी प्रेसीडेंट मुम्बई रीजन, मीना थारवानी चेयरपर्सन फीदर हंगर, माधवी पमनानी डिप्टी एक्टिंग चेयरपर्सन, रीना फतनानी गुजरात स्टेट प्रेसीडेंट, सुजाता प्रधान इंटरनेशनल वाईस प्रेसीडेंट, मीतू सेवक रामानी प्रेसीडेंट दुबई क्वीन्स उपस्थित रही।

उक्त आशय की जानकारी सिन्धु महल के सदस्य एवं यात्रा के प्रभारी ब्रजलाल नैनवानी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में देते हुए बताया कि मेहमानों के सम्मान में योगेश गोविन्दयानी एण्ड पार्टी की सिन्धी भजन संध्या आयोजित की गई जिसमें सिंधी भजनो के आनन्द से एवं उपस्थित संगत ने प्रसन्नता व्यक्त कि। पूर्व में मंदसौर निवासी अभी दुबई के प्रमुख व्यवसायी जे.बी. पमनानी, श्रीमती दीपा पमनानी ने इस कार्यक्रम में दुबई से आकर स्वागत किया। स्वागत उद्बोधन सिन्धु महल के संयोजक दृष्टानंद नैनवानी, जे.बी. पमनानी ने दिया। सिन्धु महल परिवार के सदस्य एवं मातृशक्ति मीरादेवी दृष्टानंद नैनवानी, निर्मला पुरुषोत्तम शिवानी, पद्मा वासुदेव सेवानी, भगवन्ती रमेश लवाणी, सपना डाक्टर सुरेश पमनानी, कांता दयाराम जैसवानी, ज्योति नंदू आडवानी, भगवंती ,कोमल गिरिश भगतानी, लता बृजलाल नैनवानी काऊ जजवानी, वासुदेव खैमानी , पुष्पा पमनानी, देवकि कोठारी पार्षद द्वय

निर्मला चंदवानी, भावना पमनानी, आदि ने अतिथियों को गुलदस्ते व मोतियों की मालाओं से स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन पुरूषोत्तम शिवानी ने किया एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती लता ब्रजलाल नैनवानी एवं कोमल गिरिश भगतानी ने किया।

भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव का किया अभिषेक–शुक्रवार 27 सितम्बर को अमृत बेला में सुबह 7 बजे मण्डली भगवान श्री पशुपतिनाथ मंदिर पहुंची जहां पर मालवा अंचल के विद्वान पंडित राकेश भट्ट के आचार्यत्व में सतीश भट्ट, दीपक शर्मा, शुभम शर्मा एवं निरंजन व्यास ने विधि विधान व वैदिक मंत्रों के साथ भगवान श्री पशुपतिनाथ का रूद्राभिषेक करवाकर जजमानों को मंत्र मुग्ध कर दिया। यात्रा के प्रमुख किशा साजवानी, उषा साजवानी एवं दीपा भावनानी ने मंदसौर नगर में सिन्धु महल परिवार एवं उपस्थित सिन्धी समाज की महिलाओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति पर कहा कि यात्रा संघ की मण्डली आपके प्रेम प्यार से अभिभूत एवं प्रसन्न है। आप सब धन्यवाद के पात्र है और आपका प्रेम प्यार मिश्री से भी अधिक मिठा है तथा सिन्धु महल परिवार जिसने सेवा भाव से जो सेवा का सिन्धु महल खड़ा किया है वो बेमिसाल है।

गांधीसागर समूह जल प्रदाय योजना का 70 प्रतिशत से अधिक कार्य पूर्ण

नीमच मंदसौर जिले के 915 गांवों में हर घर नल से मिलेगा पेयजल, सात नगरीय निकायों को भी मिलेगा बल्क में जल

नीमच, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. शासन की महात्वकांक्षी 1798.05 करोड़ लागत की गांधीसागर समूह जल प्रदाय योजना का अब तक 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है। योजना का सम्पूतर्ण कार्य पूरा कर, मार्च माह से नीमच मन्दिसौर जिले के कुल 915 गांवों में हर घर नल से शुद्ध जल प्रदाय प्रारम्भ कर दिया जावेगा। इसमें नीमच जिले के 646 गांव एवं मन्दसौर जिले के 269 गांव शामिल है।

महाप्रबंधक जल निगम श्री जितेंद्र सिंह राणावत ने बताया, कि इस गांधीसागर समूह जल प्रदाय योजना से नीमच मन्दरसौर जिले की 10 लाख 55 हजार 455 से अधिक जनसंख्या लाभांवित होगी। इसके साथ ही नीमच जिले के 6 व मन्दसौर जिले की 1 नगरीय निकाय को भी योजना से बल्क मात्रा में शुद्ध जल प्रदाय किया जावेगा। नगर परिषद जीरन को 2.0 एम.एल.डी., रतनगढ़ को 1.8 एम.एल.डी., अठाना को 0.9 एम.एल.डी., सरवानिया महाराज को 1.3 एम.एल.डी., सिंगोली को 1.5 एम.एल.डी., कुकडेश्वर को 1.6 एम.एल.डी. एवं नारायणगढ़ (मन्दसौर) को 1.7 एम.एल.डी. जल प्रदाय किया जावेगा। योजना के तहत निर्माण कार्य मैसर्स दिलीप बिल्डमकान लिमिटेड भोपाल द्वारा किया जा रहा है। गांधी सागर समूह जल प्रदाय योजना के तहत 168.72 एम.एल.डी. क्षमता का ग्राम सालरामाला में एक इन्टोरवेल एवं एप्रोच ब्रिज निर्माण का कार्य प्रगति पर है। रा वाटर पम्पिंग मैन पाईप लाईन 11.80 किलोमीटर बिछाने का कार्य भी प्रगति पर है। ग्राम बस्सी के समीप 136 एम.एल.डी. क्षमता का वृहद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण का कार्य भी 80 प्रतिशत से अधिक पूर्ण कर लिया गया है। क्लीयर वाटर पम्पिंग मैन पाईपलाईन बिछाने का कार्य 0.595 किलोमीटर में किया जा रहा है। पचास से 2100 किलोलीटर क्षमता के 21 क्लीयर वाटर सम्पे निर्माण का कार्य भी तेजी से जारी है। योजना के तहत पचास से 650 किलोलीटर क्षमता के 316 आर.सी.सी. ओव्हर हैड टैंक निर्माण का कार्य प्रगति पर है। क्लीयर वाटर ग्रेविटी/मैन फीडर का कार्य 1754.89 किलोमीटर लंबाई में किया

जा रहा है। इसमें से 1447.92 किलोमीटर पाईपलाईन बिछाने का कार्य पूर्ण हो गया है। इस योजना के तहत 4733.67 किलोमीटर लंबी जल वितरण पाईप लाईन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। इसमें से अब तक 3766.20 किलोमीटर लंबी पाईप लाईन बिछाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। इस योजना के तहत कुल 1 लाख 70 हजार 617 घरेलू नल कनेक्शन दिए जाना है। इनमें से अब तक 1 लाख 39 हजार 462 घरेलू नल कनेक्शन प्रदाय किए जा चुके हैं। योजना के तहत विभिन्न निर्माण कार्यों केकारण 1147 किलोमीटर रोड़ कटिंग की गई थी। इसमें से अब तक 328.27 किलोमीटर रोड़ रेस्त्रोण लरेशन का कार्य भी पूरा कर लिया गया है। शेष 819.455 किलोमीटर रोड़ रेस्ट्रोरेशन का कार्य भी तेजी से लगभग 50 टीमों द्वारा निरंतर किया जा रहा है। रेस्ट्रोरेशन का सम्पूर्ण कार्य नवम्बर तक पूरा कर लिया जाएगा। महाप्रबंधक जल निगम श्री राणावत ने बताया, कि गांधीसागर समूह जल प्रदाय योजना से माह मार्च 2025 के प्रथम सप्ता ह से हर घर नल से शुद्ध जल आपूर्ति प्रारंभ कर दी जाएगी।

शारदीय नवरात्रि: आस्था, संस्कृति और गरबा नृत्य में बदलाव

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। शारदीय नवरात्रि भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व रखती है। यह पर्व देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना और साधना का अवसर है। इस दौरान भक्तगण नौ दिनों तक उपवास रखते हैं, मंदिरों में विशेष पूजा-पाठ होता है, और जगह-जगह भव्य दुर्गा पांडाल सजाए जाते हैं। इस पर्व का एक अभिन्न हिस्सा है गरबा नृत्य, जो गुजरात और आसपास के क्षेत्रों में विशेष लोकप्रिय है। यह नृत्य देवी की आराधना का प्रतीक है और सामूहिक रूप से किए जाने वाले इस आयोजन में आस्था और आनंद का मेल होता है।

नेमीचंद राठौर

हालांकि, हाल के वर्षों में गरबा नृत्य के पारंपरिक स्वरूप में कुछ बदलाव देखने को मिले हैं। यह नृत्य जो पहले भक्ति और आस्था से ओत-प्रोत था, अब कई स्थानों पर प्रोफेशनल गरबा के नाम पर व्यावसायिकता और फूहड़ता की चपेट में आ गया है। प्रोफेशनल गरबा आयोजन में फिल्मी गीतों, ग्लैमर और आधुनिकता का ऐसा मिश्रण हो गया है कि उसमें धार्मिकता और सांस्कृतिक पवित्रता का स्थान कहीं खो गया है। ये आयोजन अब मात्र मनोरंजन का साधन बनते जा रहे हैं, जिससे नवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व कहीं न कहीं धूमिल हो रहा है।

धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों का आधुनिकीकरण कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन यह तभी तक उचित है जब तक उसमें परंपराओं का सम्मान और आस्था की भावना बनी रहे। प्रोफेशनल गरबा के नाम पर जिस तरह की फूहड़ता और अश्लीलता को बढ़ावा दिया जा रहा है, वह न केवल नवरात्रि की पवित्रता पर आघात करता है, बल्कि समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों के ह्रास का भी प्रतीक है।

यह आवश्यक है कि नवरात्रि जैसे पावन पर्व का आयोजन और गरबा नृत्य का प्रदर्शन पारंपरिक गरिमा और मर्यादा के साथ किया जाए। आयोजनकर्ता, प्रतिभागी और समाज सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नवरात्रि का यह पर्व उसकी वास्तविक भावना और उद्देश्य के साथ मनाया जाए, ताकि धर्म और आस्था पर कोई आंच न आए। हमें अपने धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करते हुए आने वाली पीढ़ियों को सशक्त, संस्कारित और संस्कृतिमय समाज का निर्माण करना चाहिए।

दशहरा उत्सव समिति करेगी विजया दशमी पर रावण दहन का भव्य आयोजन

तैयारियों हेतु समिति की बैठक सम्पन्न, डॉ भानुप्रताप सिंह सिसोदिया समिति के अध्यक्ष मनोनीत

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। आगामी 12 अक्टूबर विजयादशमी पर्व पर कॉलेज ग्राउंड में दशहरा उत्सव समिति के तत्वाधान में भव्य दशहरा उत्सव मनाया जाएगा जिसमें रावण के 71 फीट उंचे और मेघनाद और कुंभकरण के 41 41 फीट के पुतलों का दहन किया जाएगा। बूंदी की रंगारंग आतिशबाजी के नजारे भी प्रस्तुत होंगे और भी कई नवाचार किए जाएंगे। मालवांचल के इस भव्य दशहरा उत्सव की तैयारी हेतु रेवास देवड़ा रोड स्थित प्रेम गार्डन में नगर के गणमान्य जनों की एक महत्वपूर्ण बैठक पूर्व विधायक एवं समिति के परामर्शदाता श्री यशपालसिंह सिसोदिया की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से डॉ भानुप्रताप सिंह सिसोदिया को दशपुर दशहरा उत्सव समिति का अध्यक्ष मनोनित किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया ने कहा की मंदसौर नगर में दशहरा उत्सव की परंपरा को भव्यता देने के लिए जब वे नगर पालिका अध्यक्ष थे उस दौरान कोटा जाकर रावण के पुतले बनाने वाले फतेहपुर सीकरी के अब्दुल सत्तार के परिवार से संपर्क किया गया और इन्हें मंदसौर लाकर पुतलों के निर्माण की व्यवस्था निर्धारित की गई। बैठक के आरंभ में दशपुर दशहरा उत्सव समिति के संरक्षक नरेंद्र अग्रवाल ने कहा कि विगत 30 वर्षों से मंदसौर नगर में दशहरा उत्सव समिति के माध्यम से भव्य दशहरा उत्सव मनाया जाता है और इसमें नगर वासियों का अभूतपूर्व सहयोग रहता है तभी यह इतना भव्य आयोजन सुचारू रूप से संपन्न होता है।

समिति के नव मनोनीत अध्यक्ष डॉ भानु प्रताप सिंह सिसोदिया ने कहा कि मंदसौर नगर एक प्राचीन व धार्मिक महत्व वाला नगर है यहां उत्सवों की परंपरा प्राचीन है हम सब मिलकर सत्य की जीत के इस बड़े पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाएं कुछ नवाचारों के साथ इस बड़े पूर्वक हम यादगार बनाएंगे। बैठक में मंचासीन महानुभावों सर्व श्री पं. दिलीप शर्मा, हेमन्त बुलचन्दानी ,मुकेश काला, मनजीतसिंह मनी ,जगदीश चन्द्र चौधरी, नाहरू खा मेव,नंदू भाई आडवाणी, राजेश गुर्जर ,पूर्व अध्यक्ष संजय वर्मा, प्रदीप भाटी ने भी बैठक में अपने विचार व्यक्त करते हुए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में मंदसौर नागरिक मंच द्वारा मंदसौर को संभाग बनाओ अभियान के तहत आगामी 2 अक्टूबर को प्रात: 9 बजे से गांधी चौराहा पर मुख्यमंत्री के नाम पोस्टकार्ड अभियान शुरू किए जाने की जानकारी दी गई और सभी से इस अभियान में सक्रियता से जुड़ने का आव्हान किया गया। समिति के पूर्व अध्यक्ष संजय वर्मा ने वर्ष 2024 के नये अध्यक्ष के लिए डॉ भानुप्रताप सिंह सिसोदिया का नाम प्रस्तावित किया उपस्थित सभी महानुभावों ने समर्थन किया। बैठक का संचालन ब्रजेश जोशी ने किया आभार राजेश पाठक ने माना। बैठक में सर्व श्री प्रद्युम शर्मा, प्रदीप सोनी, प्रदीप गुप्ता, पं. निनित शर्मा, पं. प्रांजल शर्मा, पं. अनिरूध्द शर्मा, के.सी. अग्रवाल, सुरेश भावसार, आशीष राठौड़, प्रदीप भावसार, गोपाल मंडोवरा, राजेश पाठक, नितीन शर्मा, प्रहलाद डगवार, कमलनयन गुप्ता, गोपाल बतमी, भेरूलाल शाहु, नरसिंह दांगी, लक्ष्मण महाराज, संजय सोनी (कालू), कैशव पोरवाल, नमन मोड, श्री पोरवाल, अजय सेठिया, सुनील मुन्डेल, संजीव करवानिया, शुभम सांखला, हर्ष तोशनीवाल, रॉकी यादव, जितेन्द्र अंकुश पालीवाल, आशीष भाटिया, प्रकाश अग्रवाल, सुनिल भदानिया, दिनेश जाट, सुनील योगी, उमेश पोरवाल, अनिल सेठिया, विकाससिंह बरगोती, दक्ष सोनी, हेमन्त अग्रवाल, सुमित मित्ताल, सचिन पाटनी, राकेश दुग्गड़, अप्रेश भण्डारी, राजेश बोहरा, डॉ आशीष अग्रवाल, नरेंद्र कुमार त्रिवेदी,ओम सेठिया (छत्रीवाला), विश्वमोहन अग्रवाल, विवेक मित्ताल, विवेक माहेश्वरी (बंटी), नितीन पामेचा, नीरज जोशी, मनोज सोनी (बबलू), चन्द्रशेखर निगम, मुकेश माली, विरेन्द्र अग्रवाल (बिल्लू), बादल शर्मा, नगेन्द्र सिंह चौहान, मंगल बसेर, मंगल पाण्डे, नवीन जैन, विपीन अग्रवाल, घनश्याम खत्री, निशांत अग्रवाल, अक्षत जैन, राजेश सोनी, विवेक अग्रवाल, अनुप माहेश्वरी, अजय कुमार सिखवाल, महेश शर्मा, अजय तिवारी, अनिल अग्रवाल, अमित सिंहल, संजय दोशी, ललित बाहेती, बलराम बांके (बल्लू), संदीप सिंह, सतीश शर्मा, सुनील शर्मा, प्रवीण लखेरा, शैलेष चौधरी, लोकेश लखारा, निलेश डगवार, डॉ. प्रवीण दिवाकर, पंकज बिसलरी, प्रहलाद डगवार, दुर्गेश टेलर, ब्रजेश गर्ग, पंकज पारिख , संदीप जैन (डायमण्ड), दिलीप सेठिया, निलेश गुप्ता, जगदीश काला, सतीश धनोतिया, विनोद मांदलिया, भूपेन्द्र सोनी, कैलाश खंडेलवाल, आशीष गौड़, अजय शर्मा, कुलदीप सोमानी, नितिन शिंदे, डॉ. गौतम वप्ता(मेघदुत नगर), मोनु अग्रवाल, रविशंकर अग्रवाल, दुर्गेश टेलर, प्रवीण बघेरवाल सहित बड़ी संख्या में नगर के गणमान्य जन उपस्थित थे।

मादक पदार्थों की बिक्री व सेवन के विरोध में आज नगर बंद

सुवासरा, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर में हो रही मादक पदार्थ की बिक्री और सेवन से परेशान नगर वासियों ने सोमवार को नगर बंद बुलाया है। विगत कई समय से नगर में युवा स्मैक, गांजा, अफीम और शराब जैसे मादक पदार्थों के सेवन की चपेट में आ रहे हैं। लेकिन प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण नगर के युवा नशे की ओर अपना कदम बढ़ाते जा रहे हैं। नगर में शराब की दुकानें चारो ओर आसानी से शराब उपलब्ध करवा रही है। नशे के आदि कुछ लोग नगर में चोरियो की वारदात को भी अंजाम दे रहे है।अपराधियों में पुलिस का कोई खौफ नही है। इससे चिंतित होकर नगर के धार्मिक, सामाजिक संगठनों ने नगर के गेर जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों, और प्रशासन की विफलता के विरुद्ध नगर बंद रख विरोध प्रदर्शन का निर्णय लिया। सोमवार को नगर पूर्ण रूप से बंद रहेगा। इस दौरान शासन प्रशासन को पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा जाएगा।

सद्विचारों के प्रसार से सद्प्रवृत्तियों को प्रोत्साहन मिलता है

आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा आध्यात्मिक संवाद का आयोजन सम्पन्न

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा श्री ऋषि आनंद आश्रम पर आध्यात्मिक संवाद का आयोजन किया गया . इस अवसर पर शिक्षाविद डॉ. बी.आर. नलवाया ने कहा कि सदविचारो के प्रसार से सदप्रवृत्तियों को प्रोत्साहन मिलता है विचार ही आचरण का आधार है . अच्छी पुस्तके व सत्संग के आयोजन चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण है. आपने कहा की प्रतिभा सम्पन्न विचारक समाज को दिशा प्रदान करते है.उनकी संगती नैतिक मूल्यों का संरक्षण करते है.. श्री प्रकाश रातडिया ने कहा कि गुण ग्राहिता ऐसा सद्गुण है जो सद्गुणों का पोषण करता है, प्रसार करता है व प्रोत्साहित करता है. अपने प्रिय व्यक्ति की कमियों को चिन्हित कर उनको दूर करने के लिए पहल करना व अपने अप्रिय व्यक्तियों की अच्छाइयों का बोध करने की प्रवृति सकारात्मक दृष्टिसे ही संभव है. आपने कहा की प्रत्येक व्यक्ति में कई सदगुण होते है गुणग्राही व्यक्ति उनको अपनाने का ध्येय रखता है. साहित्यकार श्री गोपाल बैरागी ने कहा कि अहंकार एक विकार है जो प्रत्येक प्रकार की उन्नति में बाधक है श्री राजकुमार जसवंत,श्री राजेन्द्र शर्मा,श्री सत्यनारायण भरिया,श्री जसवंत प्रजापति ने अपने विचार प्रकट किये. आध्यात्मिक चेतना अभियान के संयोजक श्री विनोद शर्मा एडवोकेट ने गतिविधियों की जानकारी दी. श्री कृष्ण कुमार जोशी,श्री वासुदेव खेमानी, श्री भेरुँलाल पटेल,श्री सुरेशं परवाल,श्री प्रभुलाल हिंदल श्री शंकरलाल त्रिवेदी,श्री बाबूलाल प्रजापति श्री शांतिलाल सोनी ने संवाद में सह भागिता की. सञ्चालन श्री रमेश ब्रिजवानी व आभार प्रदर्शन -प्रकाश कल्याणी ने किया।

शानो शौकत से निकलेगी मां महिषासुर मर्दिनी नगर भ्रमण पर

भक्त मंडल के तत्वाधान में भव्य 18 वीं पालकी चुनर कलश यात्रा 3 को

शामगढ़, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर एव क्षेत्र की आराध्य देवी जगत जननी राजराजेश्वरी मां महिषासुर मर्दिनी देवी का भव्य नगर भ्रमण अश्विनी शुक्ल पक्ष नवरात्रि पर्व नवरात्रि एकम 03 अक्टुबर 2024 गुरुवार को भव्य पालकी चुनर कलश यात्रा के साथ नगर के साथ नगर की धराणी मां महिषासुर मर्दनी ढोल ताशे आतिशबाजी आकर्षक झाकियों के साथ नगर भ्रमण पर निकलकर भक्तो के हाल चाल जानने निकलेगी।

मां महिषासुर भक्त मंडल के सयोजक कु.बलवंत सिंह शामगढ ने बताया की प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी अश्विन नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर नवरात्रि एकम को दोपहर 1:30 बजे माताजी का पूजा अर्चना के साथ माताजी मंदिर से यात्रा प्रारंभ होकर राजपुत मोहल्ला , खाती मोहल्ला डिंपल चौराहा से होकर शिव हनुमान मंदिर मेन रोड थाना चौराहा होते हुवे पुन: माताजी मंदिर पहुंचेगी जहा यात्रा के समापन के साथ महाआरती पश्चात महाप्रशादी वितरण होगी। क्षेत्र की सुख समृद्धि को लेकर 551 मीटर हीरो से जड़ित चुनर मातारानी को अर्पित की जाती है।भस्म रमैया ग्रुप पूरी यात्रा मैं आकर्षण का केंद्र होते है जो महाकाल की नगरी उज्जैन से आकर अपनी प्रस्तुति देते है। 9 देवियों सहित मातारानी की आकर्षक झांकी आकर्षण का केंद्र होती है पूरी यात्रा मैं माताजी केरूप मैं माताजी केमुख्य पुजारी बगदीराम नाथ जी प्रथम घोड़े पर सवार होकर यात्रा मैं पालकी के आगे आगे चलते है।साथ ही 9 देवियों के रूप मैं 9 कन्या घोड़ों पर सवार होकर नवदुर्गा के रूप मैं घोड़ों पर सवार होकर चलती है जो आकर्षण का केंद्र होती है।इसके साथ ही राधा कृष्ण की झाकियां भी आकर्षण का केंद्र होती है।क्षेत्र से हजारों की संख्या मैं भक्तजन माताजी की अगवानी करते है। मां महिषासुर मर्दिनी भक्त मंडल की कार्यकर्म सयोजिका शुश्री कृष्णा चौहान चुन्नी दीदी, मुकेश दानगढ,दसरथ काला,कालू धनोतिया ,किशोर पटेल बा,किशोर मुजावदिया ,सोनू पुरश्वनी,सतीश खुराना,राजेंद्र खाती पटेल गोपाल मालवीय,पंकज धनोतिया ,सिद्धार्थ जोशी मनीष मांडलिया,पंकज मुजावदिया , पवन सोनी धनराज प्रजापति विशाल शर्मा पवन जोशी अमित चौधरी वैभव पटेल प्रवीण राजगुरु,हरेंद्र सिंह ,उमेश राठौर निलेश पटेल दीपक फरक्या विनायक सोनी,जितेंद्र सिंह राठौर,विजय जोशी रोहित डबकरा अंकित मोरडी दीप सिंह गोड,सहित भक्तमंडल केसदस्यों ने इस यात्रा को सफल बनाने की अपील की।

विश्व हृदय दिवस पर रंगोली प्रतियोगिता, ड्रांईग प्रतियोगिता तथा कार्यशाला सम्पन्न

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ गोविन्द सिंह चौहान द्वारा बताया कि 29 सितम्बर 2024 को विश्व हृदय दिवस बी.एस.सी. नर्सिंग कॉलेज में मनाया गया। जिसमें हृदय रोगों से बचाव व उपाय के बारे में रंगोली प्रतियोगिता, ड्रांईग प्रतियोगिता तथा छात्राओं के द्वारा हृदय रोगों से बचाव हेतु स्पीच प्रतियोगिता आयोजित की गई। डॉ आरके द्विवेदी नोडल अधिकारी द्वारा विश्व हृदय दिवस पर रोगो से बचाव और उपाय के बारे में बताया गया। विश्व हृदय दिवस के अवसर पर नोडल अधिकारी एनसीडी डॉ आरके द्विवेदी, श्रीमती बी.मसीह प्रिंसिपल, सहायक नोडल अधिकारी एनसीडी श्री महेश धनोतिया, श्रीमती नीलेश्वदरी बैरागी ट्यूटर, अमन पांडे तथा समस्त नर्सिंग कॉलेज छात्राओं उपस्थित थे।

अग्रसेन जयंती पर चार दिवसीय कार्यक्रमों का होगा आयोजन

पिपलियामंडी, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। अग्रवाल समाज पिपलिया मंडी द्वारा महाराजा अग्रसेनजी की जन्म जयंती पर चार दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन 30 सितम्बर सोमवार को होगा। 3 अक्टूबर को पितृ पुरुष महाराजा अग्रसेनजी की जन्म जयंती पर अग्रवाल मोहल्ला से संध्या 4 बजे शोभायात्रा निकलेगी जो नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई वापस अग्रवाल मोहल्ला में पहुंचेगी। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल एवं सचिव महेश अग्रवाल ने बताया कि 30 सितंबर सोमवार को रात्रि 7 बजे सब खेलो सब जीतो प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया है। 1 अक्टूबर मंगलवार को संध्या 6 बजे आनंद मेला, 8 बजे से डांडिया रास का आयोजन रखा गया है। 2 अक्टूबर बुधवार को ड्राइंग कंपटीशन, दोपहर 1 बजे लेमन रेस, दोपहर 2 बजे चेयर रेस, संध्या 5 बजे नगर में वाहन रैली निकलेगी तथा रात्रि 7 बजे सांस्कृतिक मंच पर डांस का कार्यक्रम रखा गया है। 3 अक्टूबर अग्रसेन जयंती पर दोपहर 12 बजे तंबोला प्रतियोगिता तथा संध्या 4 बजे पिपलिया मंडी नगर मे भव्य चल समारोह निकलेगा जो नगर के प्रमुख मार्गो से होता हुआ अग्रवाल मोहल्ला पहुंचेंगा जहाँ पर महा आरती एवं प्रसाद वितरित होगा। ततपश्चात रात्रि 7 बजे गायत्री शक्तिपीठ पिपलिया मंडी पर चार दिवसीय प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण के साथ समाज की महाप्रसादी होगी।

मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। भानपुरा-म.प्र. जन अभियान परिषद के माध्यम से संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम बी.एस. डब्लू व एम एस डब्लू के अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा 2024 के अंतर्गत जिला समन्वयक तृप्ती बैरागी के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती पूजन माल्यार्पण पश्चात किया गया। सर्वप्रथम सभी विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रत्येक विद्यार्थियों द्वारा अपने-अपने विचार व्यक्त किए गए व साथ ही विद्यालय परिसर में सी राइज स्कूल के प्राचार्य श्री सुनील तिवारी के मार्गदर्शन में स्वच्छता से संबंधित मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान विकासखंड भानपुरा के परामर्शदाता श्री शिवाजी बंबोरिया, श्री अनिल कुमार बागड़ी, श्री लोकेश कुमार जांगडे, श्री जगदीश मिश्रा, श्री ललित प्रजापति और पाठ्यक्रम से जुड़े समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता श्री जगदीश मिश्रा द्वारा किया गया। अंत में आभार एमएसडब्ल्यू द्वितीय वर्ष के छात्र शंकर लाल वराद ने माना।

युवक पर हुए जानलेवा हमले के मामले में दोनों पक्षों पर क्रास प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। जलोदिया में युवक पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने उसके पिता, भतीजे व एक अन्य पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया, वहीं युवक व उसके साथी के खिलाफ भी मारपीट का प्रकरण दर्ज किया। जलोदिया में जमीन बंटवारे के विवाद में शनिवार को सत्येन्द्र सुथार पर चाकू से हमला किया था, जिससे गले पर चोंट आई थी। पुलिस ने मामले में युवक के पिता रामचन्द्र सुथार, भतीजे सुरेश पिता प्रहलाद सुथार व दिलीप बावरी के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया। वहीं रामचन्द्र सुथार ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि खेत की पाती के विवाद में मेरे बेटे सत्येन्द्र उर्फ शैतान व छगनलाल गायरी ने गाली-गलौज कर मारपीट की। पुलिस ने सत्येन्द्र व छगनलाल के खिलाफ भी मारपीट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया। चौकी प्रभारी रितेश नागर ने बताया कि मारपीट के बाद दोनों पक्षों ने आवेदन दिया, इस आधार पर दोनों पक्षों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

ऑल इंडिया सैनिक स्कूल नेशनल गेम्स में लहराया मंदसौर के कैडेट ने जीत का परचम...

400 मीटर दौड़ में जीता गोल्ड मेडल

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। सैनिक स्कूल मंदसौर के कैडेट तमजीत आलम ने सैनिक स्कूल चंद्रपुर में हो रहे ऑल इंडिया सैनिक स्कूल नेशनल गेम्स 2024 में 400 मीटर दौड़ में अप्रतिम प्रदर्शन के साथ गोल्ड मेडल जीतकर विद्यालय व अपने परिवार का नाम रौशन किया हैं। इसके पहले कैडेट ने सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ में हुए ग्रुप सी लेवल की प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था जिसमें 10 विद्यालयों द्वारा भागीदारी की गई थी। चंद्रपुर में हुई इस प्रतियोगिता में संपूर्ण भारत के सैनिक विद्यालयों में अपने अपने ग्रुप में जीत कर आए प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया था।

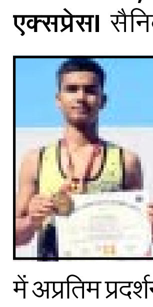

जिसमें कैडेट ने शानदार प्रदर्शन कर इस जीत को हासिल किया हैं। कैडेट की इस अद्वितीय जीत पर विद्या भारती मध्य क्षेत्र के सह संगठन मंत्री श्री अखिलेश मिश्रा, विद्या भारती मालवा के नवीन संगठन मंत्री श्री योगेश शर्मा, भारतीय आदर्श शिक्षण समिति के अध्यक्ष श्री प्रकाश धनगर, सचिन श्री अशोक पारीख, सहसचिव व प्रबंधक श्री सुनील शर्मा, कोषाध्यक्ष श्री राजदीप परवाल, समिति के अन्य सदस्य, सैनिक स्कूल मंदसौर की प्राचार्य डॉ. श्रीमती सरोज प्रसाद, प्रधानाचार्य श्री प्रवीण मिश्रा, उपप्राचार्य सुश्री लक्ष्मी राठौड़ व सैनिक स्कूल मंदसौर टीम के द्वारा कैडेट को हार्दिक बधाई और भविष्य हेतु शुभकामनाएं देते हुए कैडेट के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रभारी मंत्री सुश्री भूरिया आज आएंगी

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा बताया गया कि जिले की प्रभारी मंत्री एवं महिला एवं बाल विकास विभाग मध्य प्रदेश शासन की मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया 30 सितंबर को सांय 7 बजे नीमच से प्रस्थान कर मंदसौर आएंगे एवं रात्रि विश्राम करेंगे। 1 अक्टूबर को प्रात: 10:30 बजे जिला पंचायत मन्दसौर के सभाकक्ष में प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में रोगी कल्याण समिति की बैठक आयोजित होगी। उसके तत्पश्चात प्रात: 11.30 बजे से जिला योजना समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभा भवन में आयोजित होगी।

अवैध शराब के साथ 4 धराए

पिपलियामंडी, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। अवैध शराब के साथ पुलिस ने 4 आरोपियों को आरोपियों को पकड़ा। नारायणगढ़ थानान्तर्ग झारड़ा चोकी पुलिस ने 18 क्वार्टर शराब सहित अडमालिया निवासी परसराम उर्फ गुड्डा पिता नाथूलाल को, बूढ़ा चोकी पुलिस ने 62 क्वार्टर सहित आवना काचरिया निवासी मदनसिंह पिता कमलसिंह को, मल्हारगढ़ पुलिस ने 7 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब के साथ चंदवासा निवासी दिनेश पिता जगदीश को, 16 क्वार्टर के साथ मनासाखुर्द निवासी निर्भयसिंह पिता किशनसिंह को पकड़ा। आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट में केस दर्ज किए।

आज मनाई जाएगी पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमंत माधवराव सिंधिया की पुण्यतिथि

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। सिंधिया फैंस क्लब मंदसौर द्वारा कैलाशवासी महाराज श्रीमंत माधवराव सिंधियाजी 23वीं पुण्यतिथि आज मनाई जाएगी। जिसके तहत जिला पंचायत परिसर मंदसौर में आज 30 मार्च, सोमवार को प्रात: 11.30 बजे सभी वरिष्ठ भाजपा नेता, सामाजिक संगठन, समाजसेवी और कार्यकर्तागण की उपस्थिति में श्रीमंत महाराज माधवरावजी सिंधिया की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर महाराज के सदकार्यो को आत्मसात किया जावेगा।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मुकेश काला व सिंधिया फैंस क्लब के जिलाध्यक्ष पीयूष जैन ने सभी भाजपाजनों व आम नागरिकों से अनुरोध किया है की आज दोप. 11.30 बजे जिला पंचायत परिसर में पहुँच कर श्रद्धासुमन अर्पित करें।

आज से हटेगा नदियो का सीना... पेज 1 से जारी

किया जाता है और सरकार इन जिलों में रेत खनन के ठेके भी देती रही है।

मानसून सक्रिय रहने के दौरान भंडारण से बिक्री...

रेत खनन वाले जिलों में रेत की बिक्री वही कर पाते हैं जिनके द्वारा तय लिमिट में रेत का भंडारण किया गया हो। अवैध भंडारण के मामले में कलेक्टरों को रेत जब्त करने का अधिकार है और इस पर भी कार्रवाई की जाती है। हालांकि इस दौरान भी अवैध खनन और परिवहन के मामले सामने आते रहते हैं।

अग्रवाल प्रीमियम लीग महिला क्रिकेट स्पर्धा में अग्रणी खिलाड़ी टीम विजेता रही

मंदसौर, 29 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। महाराजा अग्रसेन जी की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में नरसिंहपुरा स्थित अग्रसेन मांगलिक भवन परिसर में अग्रवाल समाज देसी पंचायत द्वारा आज रविवार को प्रात: शुभ बेला में अग्रवाल प्रीमियर लीग महिला एवं युवतियों लिए क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया। प्रतियोगिता में चार टीमो के बीच मैच खेले गए जिसमें अग्रणी खिलाड़ी टीम विजेता रही वही उप विजेता टीम का खिताब अग्रोहा की धरोहर रही। विजेता टीम की कप्तान श्रीमती रानी अग्रवाल ओर उप विजेता टीम की कप्तान स्वीटी अग्रवाल तथा टीम को ट्रॉफी समाज के अध्यक्ष आशीष गुप्ता, नरेंद्र अग्रवाल, ओम अग्रवाल सर, ओमप्रकाश मित्तल ,संतोष गोयल, ललित गुप्ता, अशोक गर्ग ,नवयुवक मंडल अध्यक्ष गौरव मित्तल, सचिव अंशुल कबाड़ी, ऋषि मित्तल ,महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती शशि अग्रवाल, महासचिव श्रीमति श्वेता अग्रवाल ने प्रदान की।

महाराजा अग्रसेन मांगलिक भवन के परिसर में अग्रवाल प्रीमियर लीग महिला एवं युवतियों की क्रिकेट स्पर्धा का आयोजन में प्रथम मैच एडमिरे अग्रसेन की कप्तान श्रीमती अर्चना गुप्ता एवं अग्रणी खिलाड़ी की कप्तान श्रीमती रानी अग्रवाल की टीम के मध्य खेला गया जिसमें अग्रणी खिलाड़ी रानी अग्रवाल की टीम विजेता रही वहीं द्वितीय मैच तूफानी अग्रसेन की कप्तान ज्योति गुप्ता एवं अग्रोहा की धरोहर की कप्तान स्वीटी अग्रवाल की टीम के मध्य खेला गया जिसमें अग्रोहा की धरोहर स्वीटी अग्रवाल की टीम विजेता रही। फाइनल मैच अग्रणी खिलाड़ी एवं अग्रवाल की धरोहर की टीम के मध्य खेला गया जिसमें प्रथम बल्लेबाजी अग्रणी खिलाड़ी की टीम कप्तान रानी अग्रवाल, चेतना अग्रवाल ,रितु सिंहल, बुलबुल अग्रवाल, चंचल मित्तल, नम्रता मित्तल, दर्शिका मित्तल, आशी गोयल, एकांकी सिंहल, चेतना गुप्ता ने करते हुए निर्धारित 8 ओवर में 39 रन बनाए जबकि अग्रवाल की धरोहर की टीम कप्तान स्वीटी अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, पलक अग्रवाल ,स्वीटी सिंहल,कविता गर्ग ,दर्शिका गोयल ,खुशी गोयल ,दिव्यांशी जिंदल , राधिका गुप्ता मात्र 23 रन बनाकर ही ऑल आउट हो गई। अग्रवाल प्रीमियम लीग मैच में आरंभ में खिलाड़ियों से परिचय समाज के अध्यक्ष आशीष गुप्ता, राजमल गर्ग ,नरेंद्र अग्रवाल, ओम अग्रवाल सर ,हेमंत अग्रवाल, संतोष गोयल, ओमप्रकाश मित्तल , सुरेश गर्ग,राजेश मित्तल , निखिल कबाड़ी,सुभाष गुप्ता, दिनेश गर्ग, अनिल मित्तल ,अनिल अग्रवाल, डॉ आशीष अग्रवाल , मुकेश गुप्ता,आदिश गर्ग, गोपी अग्रवाल ,मनीष गर्ग, किशन गोयल सहित बड़ी संख्या में उपस्थित अग्र बंधुओ एवं मातृशक्ति में प्राप्त किया । कमेंट्री ललित गुप्ता, नवयुवक मंडल अध्यक्ष गौरव मित्तल, सचिव अंशुल कबाड़ी ने की। क्रिकेट स्पर्धा के संयोजक गगन मित्तल, अंकुर गुप्ता, ऋषि मित्तल ,अवि मित्तल ,आयुष अग्रवाल ने मैच के दौरान व्यवस्था में सहयोग किया।

आवश्यकता है

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

आफिस में कार्य करने हेतु युवक की आवश्यकता है।

**** मंदसौर निवासी ही सम्पर्क करें ****

वेतन योग्यता अनुसार

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरदायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in